Page 11 · खेल

हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित
Page 10 · देश

अश्विन बोले- कोहली - रोहित के बाद बनडे और कमजोर हो जाएगा...

कांग्रेस सरकार के ही सर्वे ने राहुल के दावों को झुठलाया कर्नाटक के 91% लोगों को ...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • शनिवार • 03 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 319 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

पीएम मोदी ने लोगों का दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ने का आह्वान किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से महाभारत के एक श्लोक से प्रेरणा लेते हुए दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कामना की है कि हर प्रयास में सफलता मिले। नए साल में संकल्प की सिद्धि हो। उन्होंने ने आज सुबह एक्स पर लिखा, '' मेरी कामना है कि आने वाले समय में आपको अपने हर प्रयास में सफलता मिले। दृढ़संकल्प और इच्छाशक्ति से नए साल में आपके संकल्प की सिद्धि हो।'' प्रधानमंत्री मोदी ने इस पोस्ट के साथ ''उत्थातव्यं जागृतव्यं योक्तव्यं भूतिकर्मसु। भविष्यतीत्येव मनः कृत्वा सततमव्यथैः।।'' श्लोक को भी उद्धृत किया है। यह श्लोक महाभारत के उद्योगपर्व (135/29) का है। इसका अर्थ है, "उठना चाहिए, जागते रहना चाहिए, और ऐश्वर्य (कल्याणकारी) कार्यों में लग जाना चाहिए। 'मेरा कार्य अवश्य सिद्ध होगा' ऐसा मन में दृढ़ निश्चय करके, लगातार विषाद (चिंता) रहित होकर कर्म करते रहना चाहिए।

पीएम शनिवार को पिपरावा के पवित्र अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में पिपरावा के पवित्र अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। संस्कृति मंत्रालय "'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन" विषयक ऐतिहासिक सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। इस प्रदर्शनी में पूजनीय पिपरावा के पवित्र अवशेषों के साथ उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से भारत के अटूट सभ्यतागत संबंधों और देश की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण व प्रस्तुति के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि कल, 3 जनवरी इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध के आदर्शों में रुचि

रखने वालों के लिए बहुत खास दिन है। सुबह 11 बजे, दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरावा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, 'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' का उद्घाटन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में एक सदी से भी ज़्यादा समय बाद वापस लाए गए पिपरावा के अवशेष शामिल हैं। इसके अलावा पिपरावा के असली अवशेष और पुरातात्विक सामग्री जो नेशनल म्यूज़ियम, नई दिल्ली और इंडियन म्यूज़ियम, कोलकाता के कलेक्शन में सुरक्षित हैं। यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध के विचारों को और ज्यादा लोकप्रिय बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह हमारे युवाओं और हमारी समृद्ध संस्कृति के बीच रिश्ते को और गहरा करने का भी एक प्रयास है। मैं उन सभी लोगों की भी सराहना करना चाहूंगा जिन्होंने इन अवशेषों को वापस लाने के लिए काम किया। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के सांस्कृतिक और कूटनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा, क्योंकि प्रदर्शनी में रखी गई चीजों में ऐतिहासिक, पुरातात्विक और आध्यात्मिक महत्व के पवित्र अवशेष शामिल हैं, जिन्हें दुनिया भर के बौद्ध समुदाय पूजते हैं।

मोदी ने जयंती पर समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन का पुण्य स्मरण किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज केरल के महान समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन की 48वीं जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण समाज का संदेश देते हैं। उनके आदर्श हम सबका मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, '' मन्नथु पद्मनाभन की जयंती पर हम आज उन्हें गहरी श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं। उनका सारा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। वह दूरदर्शी थे। उनका मानना था कि सच्ची प्रगति गरिमा, समानता और सामाजिक सुधार में निहित है। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उनके प्रयास प्रेरणादायक हैं। उनके आदर्श हमें ऐसे समाज का संदेश देते हैं जो न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण हो।

15 अगस्त 2027 को शुरू होगी बुलेट ट्रेन : रेल मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में विरार और बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग (माउंटेन टनल-5) में सफल ब्रेकथ्रू हासिल कर लिया गया है। यह महाराष्ट्र में परियोजना की पहली पर्वतीय सुरंग है। रेल मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना 15 अगस्त 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, "इस ब्रेकथ्रू के साथ ठाणे से अहमदाबाद तक का पूरा सेक्शन अब साफ हो गया है। केवल मुंबई-ठाणे के बीच समुद्र के नीचे का हिस्सा शेष है। रेल मंत्री ने बताया कि माउंटेन टनल-5 पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से की गई और अत्याधुनिक 'ड्रिल एंड ब्लास्ट' तकनीक का उपयोग करते हुए 18 महीनों में कार्य पूरा किया गया। इस तकनीक से खुदाई के दौरान जमीन की स्थिति की रियल टाइम निगरानी संभव होती है और आवश्यकता के अनुसार शॉटक्रीट, रॉक बोल्ट और लैटिस गर्डर जैसे सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा मानकों, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा उपायों का पूरी तरह पालन किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी पहली भूमिगत सुरंग का निर्माण सितंबर 2025 में पूरा हो चुका है। कुल 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना में 27.4 किलोमीटर लंबी सुरंगें शामिल हैं, जिनमें 21 किलोमीटर भूमिगत और 6.4 किलोमीटर सतही सुरंगें हैं। इस परियोजना में कुल आठ पर्वतीय सुरंगें हैं, जिनमें से सात महाराष्ट्र में (करीब 6.05 किलोमीटर) और एक 350 मीटर लंबी सुरंग गुजरात में स्थित है। रेल मंत्री ने बताया कि 'इस परियोजना में कुल 12 स्टेशन होंगे। इनमें मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। साबरमती अहमदाबाद क्षेत्र का टर्मिनल स्टेशन होगा, जबकि मुंबई में बीकेसी टर्मिनल रहेगा। सामान्यतः 508 किलोमीटर के कॉरिडोर के लिए दो डिपो पर्याप्त होते, लेकिन पूर्ववर्ती महाराष्ट्र सरकार के दौरान अनुमतियों में देरी के कारण तीन डिपो बनाने पड़े।

संक्षिप्त समाचार

एनएचएआईः 1 फरवरी 2026 के बाद जारी होने वाले नए फास्टैग वाली कारों के लिए केवाईवी बंद

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 1 फरवरी 2026 से सभी नए जारी किए गए फास्टैग वाली कारों (कार/जीप/वैन श्रेणी फास्टैग) के लिए 'नो योर व्हीकल (केवाईवी)' की प्रक्रिया को बंद करने का फैसला किया है। सक्रिय किए जाने से पहले सत्यापन की पूरी जिम्मेदारी जारीकर्ता बैंकों को सौंपकर, एनएचएआई का लक्ष्य राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले लोगों को परेशानी से मुक्त अनुभव प्रदान करना है। यह सुधार सड़क का उपयोग करने वाले उन लाखों आम लोगों को बड़ी राहत देगा, जिन्हें वाहनों के मान्य दस्तावेज होने के बावजूद फास्टैग के सक्रिय होने के बाद जारी होने के उपरांत केवाईवी संबंधी जरूरतों के कारण असुविधा और देरी का सामना करना पड़ रहा था। कारों के लिए पहले से जारी मौजूदा फास्टैग के लिए, अब केवाईवी रूटीन जरूरत के तौर पर अनिवार्य नहीं होगा। केवाईवी केवल वैसे खास मामलों में जरूरी होगा जहां ढीले फास्टैग, गलत जारी होने, या गलत इस्तेमाल से जुड़ी समस्याएं जैसी शिकायतें मिलती हैं। किसी भी शिकायत के न होने पर, मौजूदा कार फास्टैग के लिए किसी केवाईवी की जरूरत नहीं होगी। फास्टैग को सक्रिय करने की अनुमति केवल वाहन डेटाबेस से वाहन के विवरण के सत्यापन के बाद ही दी जाएगी।

ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक सात लोगों की मौत, प्रदर्शनों में छात्र भी शामिल

तेहरान। ईरान में नए विरोध प्रदर्शनों के कारण सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए हैं। विरोध प्रदर्शन तेहरान में शुरू हुए और कम से कम दस यूनिवर्सिटी के छात्रों के इसमें शामिल होने के बाद फैल गए। ये विरोध प्रदर्शन आर्थिक मंदी और ऊंची महंगाई के कारण शुरू हुए, जो दिसंबर में बढ़कर 42.5 फीसदी हो गई थी। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए हैं, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं। राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है। यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 साल की महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे।

इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहाः राहुल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया।' राहुल गांधी ने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?' उन्होंने कहा कि ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, 'मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें।

सुप्रीम कोर्ट समेत देश भर की अदालतों में पेंडिंग 5.41 करोड़ मामले बने चुनौती

नई दिल्ली। देश में जुडिशरी के सामने अभी भी सबसे बड़ी चुनौती करोड़ों की पेंडेंसी को लेकर है। देश भर की निचली अदालतों, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर भारी पेंडेंसी है। 28 दिसंबर 2025 के आंकड़ों के मुताबिक देश भर की निचली अदालतों, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर 5 करोड़ 41 लाख केस पेंडिंग हैं। देशभर की निचली अदालतों में 4.76 करोड़ केस पेंडिंग है। इनमें 3.65 करोड़ मामले क्रिमिनल हैं और बाकी सिविल मैटर के हैं। निचली अदालतों में यूपी में कुल 1.13 करोड़ मामले पेंडिंग है। वहीं दिल्ली की निचली अदालतों में 15.85 लाख मामले पेंडिंग हैं। तो सुप्रीम कोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक अभी 91,892 मामले पेंडिंग है।

दुर्भाग्य से हमारे पड़ोसी बुरेः जयशंकर

चेन्नई। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं, दुर्भाग्य से हमारे हैं। अगर कोई देश यह तय करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और बिना पछतावे के आतंकवाद जारी रखेगा तो हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार है। विदेश मंत्री ने यह बात IIT मद्रास के एक कार्यक्रम में शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम पर निर्भर है। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। हम खुद को बचाने के लिए जो कुछ भी करना होगा, वह करेंगे।

बांग्लादेश पर जयशंकर ने कहा- अच्छे लोग नुकसानदायक नहीं : बांग्लादेश में अशांति पर विदेश मंत्री ने कहा- 'मैं अभी दो दिन पहले बांग्लादेश में था। मैं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करने गया था। हमें कई तरह के पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी आपके लिए अच्छा है या कम से कम आपके लिए नुकसानदायक नहीं है तो इसमें परेशानी नहीं है।

स्विट्ज़रलैंड के क्रान्स-मोंटाना बार में ब्लास्ट से मरने वालों की संख्या 40 पहुंची

एजेंसी। क्रान्स-मोंटाना

नए साल के पहले दिन स्विट्ज़रलैंड में हुए ब्लास्ट पर पुलिस का बयान सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, ब्लास्ट में 40 लोगों की मौत हुई है और 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। दूसरी ओर किसी हमले या आतंकी धमाके के एंगल को पुलिस ने नकार दिया है। स्विट्ज़रलैंड पुलिस के मुताबिक, न्यू ईयर पर स्विस बार में हुई घटना में 40 लोगों की मौत हुई है। 100 से ज्यादा अभी घायल हैं। लेकिन इसकी वजह बता पाना अभी जल्दबाजी होगी। जिस बार में ये घटना हुई वह काफी आलीशान है। इसका नाम ले कॉन्स्टेलेशन बार एंड लाउंज है। ये क्रान्स-मोंटाना के शहर में मौजूद है। स्विस अधिकारियों ने बताया कि

100 से ज्यादा घायल

इस घटना को आगजनी माना जा रहा है, न कि आतंकवादी हमला। विस्फोट के वक्त बार में 150 से ज्यादा लोग मौजूद थे, यह विस्फोट बार के बेसमेंट में हुआ था। यह घटना तब हुई है जब स्विट्ज़रलैंड असामान्य सूखे के दौर के बीच जंगल की आग से जूझ रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया है कि फिलहाल धमाके की वजह की जांच जारी है।

दिल्ली-बिहार जीतने के बाद अब 2026 में बंगाल बीजेपी के लिए नाक का सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

खुद अमित शाह ने संभाली कमान, घुसपैठियों का मुद्दा कितना असर दिखाएगा

इस साल बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता जो इसलिए भी अहम रहा क्योंकि यह जीत 27 साल बाद मिली थी। इस साल बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बन गई और इस बार पहले से भी ज्यादा सीटों के साथ। बीजेपी सबसे ज्यादा सीटें जीतकर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी भी बनी। चुनावी जीत के लिहाज से साल 2025 बीजेपी के लिए काफी अच्छा रहा। अब नया साल शुरु हो चुका है। सवाल है कि बीजेपी और एनडीए के सामने क्या ये साल अलग तरह की चुनौतियां लेकर आएगा। इस साल तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुडुचेरी में चुनाव होना हैं। ये चुनावी साल बीजेपी के लिए ज्यादा अहम इसलिए है क्योंकि वह तमिलनाडु और केरल में अपनी जड़ें जमाने की काफी वक्त से कोशिश कर रही है। हालांकि बीजेपी ने केरल में अपनी मौजूदगी दर्ज करना शुरू कर दिया है, लेकिन अब भी मिशन साउथ की सफलता के लिए उसे लंबी राह तय करनी है। पश्चिम बंगाल से उसे पिछले चुनाव में भी बहुत उम्मीद थी, लेकिन वह पूरी नहीं हुई। इस बार उसके लिए यह नाक का सवाल है। यहां खुद गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाल ली है। बांग्लादेश की उथल-पुथल और घुसपैठियों के मुद्दे के बीच देखना होगा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में कितना असर दिखाती है। असम में बीजेपी की सरकार है और यहां उसके सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। पश्चिम बंगाल की तरह ही यहां भी बांग्लादेश के हालात और घुसपैठिए ये दोनों ही बड़ा मुद्दा हैं। इस साल बीजेपी को एक और फ्रंट पर काम करना होगा। वह है सहयोगियों को एकजुट रखना। केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार है और बीजेपी के पास इस बार अपना बहुमत नहीं है। जाहिर है, ऐसे में उसकी आगे की राह उतनी आसान नहीं रहेगी। इन मुश्किलों के संकेत अभी से मिलने लगे हैं। मिसाल के तौर पर एनडीए में शामिल बिहार के ही कुछ छोटे दल राज्यसभा सीट की मांग को लेकर नाराजगी दिखा रहे हैं।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
रीना देवी
समाज सेविका
जिला- दुमका (झारखंड)

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
अंशुमान सिंह
जिला कॉर्डिनेटर
108 एंबुलेंस सेवा, दुमका (झारखंड)

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
रौशन कुमार
नज़ीर, अंचल रानेस्वर
जिला -दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

अल्लेप्पी-धनबाद एक्सप्रेस से 6.50 लाख रुपये का गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

सिल्ली, एजेंसी। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशानुसार आरपीएफ द्वारा सतर्कता के साथ ड्यूटी की जा रही है। इसी क्रम में मुरी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट मुरी एवं आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य प्रभावी निगरानी एवं अपराधों की रोकथाम सुनिश्चित करना था।

ट्रेन संख्या 13352 एक्सप्रेस (अल्लेप्पी-धनबाद) प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर आगमन, सामान्य कोच की जांच के दौरान एक पुरुष व्यक्ति दो रक्सैक के साथ संदिग्ध अवस्था में बैठा पाया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम मोहम्मद अरमान अंसारी, उम्र लगभग 32 वर्ष, निवासी जिला धनबाद (झारखंड) बताया तथा गांजा रखने की बात स्वीकार की।

तत्काल इस संबंध में सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ/रांची को दी गई, जो मौके पर पहुंचे और सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए बैगों की तलाशी ली गई, जिसमें दोनों रक्सैकों से गांजा जैसे पदार्थ के कुल पांच पैकेट, एक मोबाइल फोन तथा एक सामान्य श्रेणी का रेलवे टिकट बरामद किया गया।

बरामद पदार्थ की जांच डीडी किट से की गई। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20(बी)(द्वद्ब)(बी)/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब्त किए गए गांजे का अनुमानित मूल्य लगभग 6,50,000/- (रुपये छह लाख पचास हजार मात्र) है।

इसमें शामिल अधिकारी और कर्मचारी: आरपीएफ पोस्ट मुरी- एसआई पवन कुमार, आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची एएसआई अनिल कुमार, कांस्टेबल प्रदीप, कांस्टेबल वी.एल मीना शामिल थे।

माघ मेला के चलते राजधानी और बाड़मेर एक्सप्रेस का प्रयागराज में ठहराव रद्द

रांची, एजेंसी। हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में गुरुवार से बदलाव प्रभावी हो गया। यह ट्रेन 47 दिनों तक प्रयागराज में नहीं रुकेगी। हावड़ा से सुबेदारगंज के लिए टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो गई। हालांकि अधिकतर दिनों में लंबी वेटिंगलिस्ट है।

हावड़ा-बाड़मेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का मध्य फरवरी तक विभिन्न तिथियों में 13 दिन सुबेदारगंज में ठहराव होगा। इस ट्रेन में भी सूबेदारगंज की टिकट बुकिंग शुरू हो चुकी है।

बोकारो व गोमो होकर चलने वाली रांची-लोकमान्य तिलक साप्ताहिक एक्सप्रेस अलग-अलग तिथियों में वाराणसी व प्रयागराज नहीं जाएगी। इस ट्रेन को दोनों ओर से मार्ग बदल कर चलाया जाएगा। रेलवे द्वारा परिचालन कारणों से कई ट्रेनों के मार्ग और ठहराव में अस्थायी बदलाव किया गया है। इसके तहत निम्नलिखित ट्रेनें निर्धारित अवधि में प्रयागराज स्टेशन पर नहीं रुकेंगी।

झारखंड के रोड होंगे चकाचक, खर्च होंगे 2000 करोड़

रांची, एजेंसी। नये साल 2026 में राज्य के विभिन्न जिलों की बेहतर रोड कनेक्टिविटी पर काम होगा. राज्य सरकार का फोकस लोगों के लिए कम समय में जाम मुक्त सफर मुहैया कराना है. इस दिशा में तेजी से प्रयास शुरू कर दिये गये हैं. पथ निर्माण विभाग ने कई महत्वपूर्ण सड़कों को चिह्नित किया है, जिनके पुनर्निमाण, चौड़ीकरण और मरम्मत का काम किया जायेगा. इन योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है. इन छोटी-बड़ी करीब 70 योजनाओं को मिला कर 2000 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आयेगा. अब इन आगे की प्रक्रिया करके इस साल जल्द से जल्द काम शुरू करा दिया जायेगा. प्रशासनिक स्वीकृति के बाद दो-चार योजनाओं का टेंडर फाइनल हुआ है.

पुरुलिया में चल रही है स्कूटी, रांची में कट गये 23 चालान

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में स्कूटी व बाइक पर फर्जी तरीके से किसी और के वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर लगाकर चलने का मामला सामने आया है. इसका परिणाम असली वाहन मालिक का भुगतना पड़ रहा है. उनके नाम से चालान भी आ रहे हैं. ऐसा ही एक मामला सामने आया है. बताया जाता है कि करमटोली निवासी अशोक महतो की स्कूटी (जेएच-01इजेड-8942) का उपयोग उनके पुरूलिया में रहनेवाले पुत्र कर रहे हैं, लेकिन उसी स्कूटी का नंबर लगाकर दूसरी स्कूटी कोई और व्यक्ति चला रहा है. इस कारण वर्ष 2024 से 2025 तक 23 चालान अशोक महतो के नाम कट चुके हैं.

चुनौतियों के बावजूद मजबूत हो रही है भारत की अर्थव्यवस्था: टी वी नरेंद्रन

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने केक काटकर शहरवासियों को नए साल की बधाई दी. मीडिया से बातचीत के दौरान टाटा स्टील के एमडी ने बताया कि जमशेदपुर स्टील कंपनी में कोयला की खपत कम हो, इसके लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके अलावा अन्य कई नई तकनीक का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव पारित है. चीन सरकार की नीति और उनके सहयोग के कारण चीन उत्पादित स्टील का कारोबार कम प्रॉफिट में भी चल रहा जो भारत ही नहीं विश्व बाजार के लिए चुनौती है.

जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस परिसर में टाटा स्टील के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन ने केक काटकर शहर वासियों को नए साल की बधाई दी है. इस दौरान टाटा स्टील के वीपीसीएस डी. बी. सुदररामम, डॉ. टीजी मुखर्जी के अलावा कई वरीय अधिकारी और चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष, कई प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे.

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है: एमडी टीवी नरेंद्रन- शहर

वासियों को बधाई देने के बाद टाटा स्टील के एमडी ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने बताया कि विश्व बाजार में कई चुनौतियां हैं. इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार तेजी से मजबूत हो रहा है. स्टील प्रोडक्शन सेक्टर में चीनी सरकार की नीतियों और सपोर्ट की वजह से चीनी स्टील मार्केट कम मुनाफे के बावजूद काम करता रहा है, जो ग्लोबल मार्केट के लिए एक चुनौती है.

एआई के क्षेत्र में भी कंपनी काम कर रही है: एमडी टीवी नरेंद्रन – टाटा स्टील वर्तमान विश्व बाजार को देखते हुए हर चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्पित है. 100 साल से ज्यादा पुरानी टाटा स्टील कंपनी ने पिछले 10 सालों से डिजिटल के क्षेत्र में काफी इन्वेस्ट किया है. कंपनी एआई के क्षेत्र में काम कर रही है. 500 से ज्यादा एआई मॉडल का इस्तेमाल किया जा रहा है. चीन का लाभ 5 सालों में 5% से ज्यादा नहीं रहा लेकिन वहां की सरकार की मदद और रुल के कारण वहां की इंडस्ट्री फायदेमंद है. भारत में स्टील की डिमांड ज्यादा है लेकिन स्टील की कोई भी नई इंडस्ट्री नहीं आई है.

यूरोपियन ऑपरेशन पर असर पड़ा है

उन्होंने बताया कि मजबूत डिमांड और सप्लाई के बावजूद 2025 में भारत में स्टील की कीमतें पिछले पांच सालों में सबसे कम रहीं. पिछला साल कई वजहों से चुनौतीपूर्ण रहा, जिसमें दुनिया भर में उठाए गए कदमों की वजह से ग्लोबल ट्रेड के मुद्दे और भी मुश्किल होते गए. उन्होंने बताया कि टाटा स्टील समेत घरेलू स्टील सेक्टर पर असर नहीं पड़ा है, लेकिन यूरोप और अमेरिका से स्टील पर निर्यात शुल्क लगने की वजह से टाटा स्टील के यूरोपियन ऑपरेशन पर असर पड़ा है.

उन्होंने कहा कि चीन 100 मिलियन टन से ज्यादा स्टील एक्सपोर्ट कर रहा है, जो लगभग भारत के कुल स्टील प्रोडक्शन के बराबर है. एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा हालांकि चीन से भारत में ज्यादा स्टील नहीं आ रहा है, लेकिन उसने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि खराब अंतर्राष्ट्रीय बाजार की वजह से हम ज्यादा प्रोडक्शन के बावजूद एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं.

सहभागिता से झारखंड अग्रणी राज्य बनेगा, सीएम हेमंत सोरेन बोले 'सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान महत्वपूर्ण'

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, अपर मुख्य सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मस्त राम मीणा, राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी, सचिव वित्त विभाग प्रशांत कुमार, सदस्य राजस्व पर्षद राजीव रंजन, अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छवि रंजन, प्रबंध निदेशक जियाडा वरुण रंजन, निदेशक नगरीय प्रशासक, नगर विकास विभाग नैंसी सहाय, विशेष सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी (समन्वय) विभाग राजीव रंजन, आइजी एसटीएफ अनूप बिरथरे, रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने मुलाकात की.

मुख्यमंत्री को सभी ने नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा ईश्वर से राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि, प्रगति एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी की सहभागिता से ही झारखंड अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शुमार होगा। राज्य के सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जन-सहभागिता एवं प्रभावी कार्य संस्कृति के साथ हमारी सरकार विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नए साल पर एचईसी कामगारों को बड़ा झटका

1400 ठेका कर्मचारियों की सेवा अचानक हुई समाप्त

रांची, एजेंसी। नववर्ष की शुरुआत एचईसी के ठेका कामगारों के लिए निराशाजनक रही। गुरुवार को करीब 1400 ठेका कामगारों को प्लांट में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी सेवाएं अचानक समाप्त हो गईं।

इसकी वजह ठेकेदार की निविदा अवधि का खत्म होना बताया गया है। छह माह के लिए की गई निविदा की अवधि पूरी होने के बाद न तो नई निविदा जारी की गई और न ही पुराने ठेकेदार को समय-सीमा बढ़ाई गई।

इस लापरवाही का सीधा असर ठेका कामगारों पर पड़ा। बिना किसी पूर्व सूचना के काम से रोके जाने पर कामगारों में भारी रोष है। स्थिति यह है कि एचईसी के तीनों प्लांटों में स्थायी कर्मियों की संख्या मात्र 900 के आसपास है।

ऐसे में ठेका कामगारों के बाहर होते ही उत्पादन और अन्य गतिविधियां लगभग ठप हो गई हैं। पहले से ही वर्क ऑर्डर समय पर नहीं मिलने से कामकाज प्रभावित था, अब अचानक काम रुकने से संकट और गहरा गया है।

मामले पर यूनियनों ने भी कड़ा एतराज जताया है। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन ने निदेशक (उत्पादन) से बातचीत कर ठेका कामगारों की सेवा तत्काल बहाल करने की मांग की। यूनियन का कहना है कि प्रबंधन स्तर पर समय रहते निर्णय नहीं लेने के कारण कामगारों को बार-बार ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

निदेशक (उत्पादन) ने बातचीत में बताया कि ठेकेदार के माध्यम से ठेका कामगारों को दो माह का सेवा विस्तार देने की योजना थी, लेकिन ठेकेदार ने सेवा विस्तार से इन्कार कर अपनी बकाया राशि की मांग रख दी। हालांकि यूनियन का कहना है कि पूर्व में भी इसी तरह की समस्याओं के कारण ठेका कामगारों की सेवाएं बाधित हो चुकी हैं।

लातेहार में बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को रस्सी से बांधकर पीटा, पुलिस ने कराया मुक्त

लातेहार, एजेंसी। शहरी इलाके में बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़कर रस्सी से बांध दिया. इस दौरान युवकों के साथ मारपीट भी की गई. हालांकि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों युवकों के ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराकर थाना ले गई. थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

दरअसल, लातेहार जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर 8 निवासी ननका भुइयां की दो बकरियां बीती रात चोरी हो गई थी. छानबीन के क्रम में उसे पता चला कि उसकी दोनों बकरियों को लातेहार के ही रहने वाले चोरों ने चोरी कर ली है. इसके बाद ननका भुइयां के साथ कई अन्य ग्रामीण दो युवकों को पकड़ लिया और एक पेड़ में रस्सी के सहारे बांध दिया. इस दौरान कुछ लोगों ने युवकों की पिटाई भी शुरू कर दी.

हालांकि इसी दौरान किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी. घटनास्थल सदर थाना से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है. इस कारण पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और स्थिति को बिगड़ने से बचा लिया. पुलिस ने दोनों युवकों को ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराया और अपने साथ थाने ले गई.

इधर, भुक्तभोगी ग्रामीण ननका भुइयां ने बताया कि बीती रात उसकी दो बकरियां चोरी हो गई थी.

कुछ दिन पूर्व भी उसकी एक बकरी चोरी हुई थी. गांव के कई अन्य लोगों की भी बकरियां चोरी हुई हैं. ननका ने बताया कि जिन लोगों को पड़कर पुलिस के हवाले किया गया है, वही लोग गिरोह बनाकर इस तरह की घटना को लगातार अंजाम दे रहे हैं.

पिछले कुछ दिनों से चोरी की घटना में बढ़ोतरी होने के कारण लोगों में काफी आक्रोश है. ग्रामीणों का कहना है कि इन चोरों के कारण लोगों को लगातार नुकसान हो रहा है. ग्रामीणों पकड़े गए युवकों से बकरियां वापस करने की मांग कर रहे थे. इस दौरान कुछ युवक आक्रोशित भी हो गए. हालांकि स्थिति बिगड़ने से पूर्व ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाना ले गई.

इधर, इस संबंध में सदर थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता ने कहा कि स्थानीय लोगों के द्वारा बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को पुलिस के हवाले किया गया है. पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग: श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को शूटआउट में 4-3 से हराया

रांची, एजेंसी। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को शूटआउट में 4-3 से मात देकर बोनस अंक अपने नाम किया. निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मुकाबला शूटआउट में गया. सडन डेथ में लालरेमसियामी ने निर्णायक गोल कर श्राची बंगाल टाइगर्स को जीत दिलाई.

10वें मिनट में स्कोर 1-1 से बराबर था- मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई. श्राची बंगाल टाइगर्स ने शुरुआती मिनटों में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए. छठे मिनट में अगुस्टिना गोरजेलानी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को

बढ़त दिलाई. हालांकि, एसजी पाइपर्स ने भी तुरंत जवाब दिया और 10वें मिनट में लोला रिएरा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 कर बराबर कर दिया.

बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही. 11वें मिनट में लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए श्राची को फिर बढ़त दिलाई. दूसरे क्वार्टर में गोरजेलानी ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल दागा. एसजी पाइपर्स के लगातार हमलों के बावजूद श्राची की गोलकीपर जेनिफर रिजो ने कई बेहतरीन बचाव किए और हाफ टाइम तक श्राची बंगाल टाइगर्स 3-1 से आगे रही.

59वें मिनट में स्कोर 3-2 था

दूसरे हाफ में एसजी पाइपर्स ने जबरदस्त वापसी की कोशिश की. तीसरे क्वार्टर में टीम ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन श्राची की मजबूत डिफेंस और अनुशासित गोलकीपिंग के कारण कोई गोल नहीं हो सका. चौथे क्वार्टर में भी एसजी पाइपर्स का दबदबा बना रहा और आखिरकार 59वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने कप्तान नवनीत कौर के शॉट को डिफ्लेक्ट कर गोल कर दिया, जिससे स्कोर 3-2 हो गया. मैच के अंतिम क्षणों में एसजी पाइपर्स को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे 60वें मिनट में लोला रिएरा ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया. इसके बाद मुकाबला शूटआउट में पहुंचा.

शूटआउट में दोनों टीमों का स्कोर 3-3 रहा

शूटआउट में दोनों टीमों ने तीन-तीन गोल किए और स्कोर 3-3 रहा. सडन डेथ में एसजी पाइपर्स अपने मौके भुनाने में नाकाम रही, जबकि लालरेमसियामी ने दबाव में गोल कर श्राची बंगाल टाइगर्स को रोमांचक जीत दिला दी.

पिछले साल की तुलना में इस साल बिकी ज्यादा शराब, झारखंड में खूब मना नये साल का जश्न

रांची, एजेंसी। नये साल के पहले दिन राज्य में शराब की रिकॉर्ड बिक्री हुई. 30 दिसंबर से एक जनवरी तक राज्य में लगभग 65 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री हुई है. झारखंड शराब व्यापारी संघ के प्रदेश महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल के अनुसार तीन दिनों में 65 से 70 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री का अनुमान है. उन्होंने कहा कि उठाव के अनुरूप शराब की बिक्री नहीं हो पायी. सबसे अधिक शराब की बिक्री 31 दिसंबर को हुई. राज्य भर में 31 दिसंबर को लगभग 30 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री का अनुमान है, जो वर्ष 31 दिसंबर 2024 की तुलना में लगभग ढाई करोड़ अधिक है. 31 दिसंबर को 27.52 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई थी, जबकि 30 दिसंबर को लगभग 16 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. दो दिन में 46 करोड़ से अधिक की शराब बिक्री हुई.

वहीं एक जनवरी को भी 18 से 19 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री का अनुमान है. हालांकि इसका आधिकारिक आंकड़ा आना बाकी है. ऐसे में देखा जाये, तो तीन दिनों में लगभग 65 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. पिछले वर्ष नये साल के मौके पर हुई बिक्री की तुलना में इस वर्ष लगभग

पांच करोड़ रुपये अधिक की बिक्री हुई. पिछले वर्ष तीन दिनों में लगभग 60 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री हुई थी.

रांची में 30 दिसंबर से एक जनवरी तक लगभग 10 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. नये साल के मौके पर शराब बिक्री को लेकर दो दर्जन से अधिक अस्थायी लाइसेंस जारी किये गये थे. जबकि लगभग 30 बार एंड रेस्तरां ने एक्सटेंशन काउंटर की अनुमति ली थी. इसके तहत निर्धारित समय की तुलना में दो घंटे अधिक शराब बिक्री की अनुमति दी गयी थी.

जमशेदपुर शहर के नामकरण के 107 साल पूरे, वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड ने रखा था नाम

जमशेदपुर, एजेंसी। लौहनगरी के नाम से विख्यात जमशेदपुर शहर अपने नामकरण के 107 वर्ष पूरे कर लिया है। दो जनवरी 1919 को भारत के तत्कालीन वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड ने साकची का नाम जमशेदपुर व कालीमाटी स्टेशन का नाम बदलकर टाटानगर किया था।

टाटा समूह के संस्थापक जेएन टाटा की दूरदृष्टि सोच को उनके बेटे सर दोराबजी टाटा ने पूरा किया और 1907 में साकची गांव में टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना की। इस कंपनी ने पहले विश्व युद्ध के समय ईस्ट इंडिया कंपनी को काफी मदद की और उनकी मांग पर रेलपटरी बिछाने के लिए रेल की आपूर्ति की। इस मदद से अंग्रेजी सरकार ने सुदूर इलाकों तक अपने सैनिक और रसद को पहुंचाने में सफल रही और सफलता पाई। ऐसे में कंपनी का आभार व्यक्त करने के लिए वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड अपने अधिकारियों व दोस्तों के साथ जमशेदपुर पहुंचे और इस आभार के बदले में शहर का नाम संस्थापक के नाम जमशेद के नाम पर जमशेदपुर और कालीमाटी रेलवे स्टेशन का नया नामकरण कर टाटानगर रखा। आज इस औद्योगिकी नगर

की पहचान वैश्विक स्तर पर है। इन 107 वर्षों में यहां टाटा स्टील के अलावा टाटा मोटर्स, टिनप्लेट, टाटा ब्लूस्कोप, इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट, टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड, टाटा कमिंस, टिमकेन इंडिया सहित कई कंपनियां स्थापित हुई जो अपने उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहुंचाती है। वहीं, इन कंपनियों के सहयोग के लिए आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में 1000 से अधिक सूक्ष्म, लघु व मध्यम (एमएसएमई) सेक्टर की कंपनियां संचालित हैं जिसके कारण यहां देश भर के कामगार रोजगार के लिए यहां आते हैं।

झारखंड में ठंड से मिलेगी थोड़ी राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड में नए साल के शुरुआत में ठंड से थोड़ी राहत मिलने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। वहीं, इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें धीरे-धीरे (2-3) डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी जा सकती है। इसके बाद ठंड फिर से लोगों को परेशान कर सकती है। उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब क्षेत्र के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण वायुमंडल में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।

इसका प्रभाव उत्तर भारत के बड़े हिस्से पर देखा जा रहा है। यही सिस्टम अप्रत्यक्ष रूप से झारखंड के मौसम को भी प्रभावित कर रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पछुआ हवा कमजोर पड़ गई है। इससे अत्यधिक ठंड का असर कुछ कम होगा। इधर, पिछले 24 घंटे में झारखंड का गुमला जिला सबसे ठंडा रिकॉर्ड किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राडार जंगल में, इसलिए तापमान कम- इधर, गुमला के कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक अटल तिवारी के अनुसार, गुमला में मौसम का राडार विशुनपुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में लगा है, जो घने जंगल के बीच में है। इसलिए यहां का तापमान शहर से काफी कम होता है। दिसंबर से उत्तर-पश्चिम से आने वाली बर्फीली हवा सीधे झारखंड के पश्चिमी जिलों गुमला और सिमडेगा से प्रवेश करती है। इसलिए गुमला का पारा अधिक गिर रहा है।

जमशेदपुर में टूटा 6 सालों का रिकॉर्ड

इधर, इस दिसंबर शहर ने ठंड के ऐसे तेवर दिखाए हैं, जो बीते कई सालों में कभी नहीं देखे गए। रात और सुबह के अलावा दिन में भी ठंड से राहत नहीं मिली। लगातार छाए घने कोहरे के कारण दिन में भी ठिठुरन महसूस हो रही है। बीते 6 साल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब दिसंबर महीने में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान एक भी दिन 30 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा।

हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा रहेगा

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को सुबह में कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा और बाद में आसमान मुख्यत साफ रहेगा। अगले 5 दिनों के दौरान अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहेगा और गुनगुनी धूप रहेगी। हालांकि संथाल और कोल्हान के कुछ जिलों में सुबह के वक्त कुहासा रह सकता हैं पर धूप निकलने के बाद वह साफ हो जाएगा।

झारखंड क्रिकेट की ऐतिहासिक सफलता का गवाह बना साहिबगंजः सिदो-कान्हू स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का भव्य स्वागत

संवाददाता

साहिबगंज । झारखंड क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हुई स्वर्णिम सफलता का जश्न शुक्रवार को साहिबगंज की धरती पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। शहर के सिदो-कान्हू स्टेडियम में जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का जोरदार स्वागत किया गया। इस ऐतिहासिक पल को देखने और आत्मसात करने के लिए सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी और उभरते हुए खिलाड़ी स्टेडियम में उमड़ पड़े। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक (SP) अमित कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त (DDC) सतीश चंद्रा, और झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (JSCA) के सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। समारोह की शुरुआत में जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने सभी अतिथियों को बुके देकर उनका स्वागत किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड की टीम द्वारा देश की इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को जीतना सभी स्थानीय खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, "प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सफलता के लिए कड़ी मेहनत ही एकमात्र रास्ता है। राज्य टीम की इस उपलब्धि से सीख लेकर साहिबगंज के खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ना चाहिए।" डीडीसी सतीश चंद्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के सभी जिलों में ट्रॉफी का भ्रमण कराना एक सराहनीय कदम है। इससे न केवल खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा, बल्कि उनमें राज्य स्तर पर खेलने और अपनी पहचान बनाने की ललक भी पैदा होगी। JSCA सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा ने ट्रॉफी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "झारखंड ने पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचा है। बीसीसीआई द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए टी-20 फॉर्मेट में अपनी प्रतिभा दिखाने और IPL व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दरवाजे खोलने का एक बड़ा मंच है। यह ट्रॉफी झारखंड की प्रतिभा और खिलाड़ियों की वर्षों की कड़ी मेहनत का प्रतीक है।" मंच का सफल संचालन डॉ. सुरेंद्र नाथ तिवारी ने किया। इस गौरवशाली क्षण का हिस्सा बनने वालों में डॉ. रंजन, डॉ. सुमित, चेतन भरतिया, जयप्रकाश सिन्हा, आफताब आलम, गोपाल चोखानी, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, राकेश गुप्ता, मो. अशफाक आलम, राकेश रोशन, श्याम रंजन तिवारी, चंदन यादव, रवि, अनिकेत, अंकित और चंदन सहित भारी संख्या में क्रिकेट खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित थे। स्टेडियम में मौजूद युवा क्रिकेटरों ने ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और अपनी खुशी जाहिर की। खिलाड़ियों का कहना था कि अपने जिले में इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को देखकर उन्हें भविष्य में झारखंड और देश के लिए खेलने की नई ऊर्जा मिली है।

बरहरवा-बरहेट मुख्य मार्ग पर भीषण सड़क हादसाः तीन की दर्दनाक मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने अस्पताल में की तोड़फोड़

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा। शुक्रवार की सुबह बरहरवा-बरहेट मुख्य मार्ग पर एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया। एक अनियंत्रित टैंकर और यात्रियों से भरी ऑटो के बीच हुई सीधी भिड़ंत में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद अस्पताल में इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की, जिससे स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह यात्रियों से भरी एक ऑटो बरहेट की ओर से बरहरवा आ रही थी। इसी दौरान, बरहरवा से तेल खाली कर वापस लौट रहा एक टैंकर बरहेट की ओर जा रहा था। डाँड़ पुल (छोटा रांगा) के समीप दोनों वाहनों में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि ऑटो में सवार सभी यात्री डहुआ जोर चौक पर उतरने वाले थे, लेकिन गंतव्य तक पहुँचने से पहले ही वे इस काल के गाल में समा गए।

हादसे में जान गंवाने वालों में तीन लोग शामिल हैं:

नंदनी सोरेन (30 वर्ष) - निवासीः घटियारी।

शांति हेम्ब्रम (6 वर्ष) - निवासीः डाहुजोर।

समरा साह (30 वर्ष) - निवासीः बड़ा रांगा।

हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए रांगा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ले जाया गया। यहाँ इलाज में देरी और अव्यवस्था को देखकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों का आरोप था कि अस्पताल में न तो समय पर चिकित्सक उपलब्ध थे और न ही आपात स्थिति के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था थी। आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल परिसर में जमकर हो-हल्ला मचाया और वहां तोड़फोड़ की। घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा एसडीपीओ (SDPO) नितिन खंडेलवाल के नेतृत्व में बरहरवा और रांगा थाना की पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुँची। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इस दौरान जब पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया, तो ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए उन्हें रोक दिया। काफी मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पाया। बरहरवा एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले की गहन छानबीन की जा रही है। घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। फिलहाल इलाके में पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में है।

साहिबगंज-राजमहल में ठंड का कहरः प्रशासनिक उदासीनता पर भड़का हिंदू धर्म रक्षा मंच, उपायुक्त को लिखा पत्र

संवाददाता

साहिबगंज। जिले में पिछले कई दिनों से जारी कड़ाके की ठंड और भीषण शीतलहर ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बढ़ती ठंड के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर राहत कार्यों के अभाव को देखते हुए हिंदू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने साहिबगंज के उपायुक्त (DC) को पत्र लिखकर जनहित में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उपायुक्त को भेजे गए पत्र में संत कुमार घोष ने आरोप लगाया है कि साहिबगंज नगर परिषद (वार्ड संख्या 1 से 28) और राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र में रहने वाले गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोग इस वक्त हाड़ कंपाने वाली ठंड से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा केवल मुख्य सड़कों और कुछ चुनिंदा चौराहों पर खानापूर्ति के तौर पर अलाव जलाए जा रहे हैं, जबकि वास्तविक ठंड का प्रकोप झुग्गी-झोपड़ियों, मजदूर बस्तियों और शहर के अंदरूनी इलाकों में है, जहाँ रहने वाले गरीब परिवारों तक कोई मदद नहीं पहुँच रही है। संत कुमार घोष ने अपने पत्र में भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है और इस भीषण ठंड में बचाव के लिए अलाव व कंबल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशासन की वर्तमान कार्यशैली को 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'चिंताजनक' करार दिया।

प्रमुख मांगें और चेतावनी

हिंदू धर्म रक्षा मंच ने उपायुक्त से निम्नलिखित मांगों पर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है:

साहिबगंज और राजमहल के सभी वार्डों के प्रमुख चौक-चौराहों पर अविलंब अलाव की व्यवस्था की जाए। चिन्हित गरीब, असहाय और बेघर लोगों के बीच युद्धस्तर पर कंबल वितरण सुनिश्चित किया जाए। मंच ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में साहिबगंज नगर परिषद और राजमहल नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रतिलिपि भेजी गई है। संत कुमार घोष ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र राहत कार्य प्रारंभ नहीं किए गए और ठंड के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि हुई, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

राजमहलः 75 वर्षीय बुजुर्ग की नृशंस हत्या का 24 घंटे में खुलासा, आरी से गला रेतने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। राजमहल थाना पुलिस ने मंडाई स्थित एक गैरेज में हुई 75 वर्षीय बुजुर्ग की नृशंस हत्या के मामले का महज 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। गुरुवार को राजमहल एसडीपीओ (SDPO) विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी। बुधवार को राजमहल पुलिस को सूचना मिली थी कि मंडाई स्थित एक गैरेज में एक बुजुर्ग व्यक्ति का गला कटा हुआ शव पड़ा है। मृतक की उम्र लगभग 75 वर्ष थी। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए साहिबगंज पुलिस अधीक्षक (SP) अमित कुमार सिंह के निर्देश पर राजमहल एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। विशेष टीम ने अनुसंधान के दौरान त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेही इरफान शेख उर्फ फारूक शेख (22 वर्ष), पिता मोहम्मद इकराम शेख (निवासीः बेगमपुरा मंडाई, राजमहल) को हिरासत में लिया। पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर आरोपी इरफान ने बुजुर्ग की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 'आरी' को भी बरामद कर लिया है, जिससे बुजुर्ग का गला रेता गया था। इस संबंध में राजमहल थाना में कांड संख्या 01/26 दर्ज की गई है। आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा (जेल) में भेज दिया गया है।

इस हत्याकांड के सफल उद्भेदन में गठित विशेष टीम में मुख्य रूप से निम्नलिखित अधिकारी शामिल थेः

विमलेश कुमार त्रिपाठी (SDPO, राजमहल)

राजीव रंजन (इंस्पेक्टर, राजमहल)

हसनैन अंसारी (थाना प्रभारी, राजमहल)

अमर कुमार मिंज (थाना प्रभारी, राधानगर)

मृत्युंजय पांडे (थाना प्रभारी, तीनपहाड़)

पुअनि ओम प्रकाश चौहान

शंभू शंकर सिंह

सअनि जमील एवं अन्य पुलिस बल।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन की तत्परता की सराहना की जा रही है।

नेशनल वूशु चैंपियनशिप में साहिबगंज की बेटी का कमालः कोमोला कुमारी ने जीता कांस्य पदक, बरहरवा में हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आयोजित 9वीं फेडरेशन कप नेशनल वूशु चैंपियनशिप में साहिबगंज जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी कोमोला कुमारी ने कांस्य पदक (Bronze Medal) जीतकर जिले और पूरे झारखंड राज्य का मान बढ़ाया है। पदक जीतकर वापस लौटने पर बरहरवा में खेल प्रेमियों और परिजनों ने उनका जोरदार स्वागत किया। वूशु फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं छत्तीसगढ़ वूशु संघ के संयुक्त तत्वावधान में इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 30 दिसंबर तक राजनांदगांव में किया गया था। इस चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए कोमोला कुमारी ने 'तावलू' स्पर्धा में अपनी बेहतरीन खेल तकनीक का प्रदर्शन किया और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। कोमोला की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे जिला वूशु संघ, साहिबगंज के सचिव सह प्रशिक्षक मृत्युंजय राय का कुशल मार्गदर्शन और कोमोला का कड़ा परिश्रम रहा है। मृत्युंजय राय के नेतृत्व में कोमोला ने इस राष्ट्रीय मंच के लिए कड़ी तैयारी की थी, जिसका परिणाम पदक के रूप में सामने आया। राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का परचम लहराकर जब कोमोला कुमारी बरहरवा पहुँचीं, तो जिला वूशु संघ के पदाधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। स्वागत करने वालों ने कहा कि कोमोला की यह उपलब्धि साहिबगंज के अन्य उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करेगी। इस अवसर पर खेल जगत से जुड़े लोगों ने कोमोला कुमारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वे आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतेंगी।

साहिबगंजः ऊमर वैश्य समाज की महिला मंडल ने सेवा के साथ मनाया नव वर्ष; जरूरतमंदों को बांटे कंबल और बच्चों को दी शिक्षण सामग्री

संवाददाता

साहिबगंज। नव वर्ष के आगमन के अवसर पर जहां लोग उत्सव मनाने में व्यस्त हैं, वहीं अखिल भारतीय ऊमर वैश्य समाज की महिला मंडल ने सामाजिक सरोकार की एक मिसाल पेश की है। बढ़ती ठंड को देखते हुए महिला मंडल द्वारा स्थानीय रसूलपुर दहला मोहल्ला स्थित अटल मोहल्ला क्लीनिक प्रांगण में एक राहत सह वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए संस्था की ओर से क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। इस दौरान 50 से अधिक बुजुर्गों, महिलाओं और पुरुषों को कंबल प्रदान किए गए। कंचन कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नव वर्ष की खुशी उन लोगों के साथ साझा करना था, जो अभावों में जीवन यापन कर रहे हैं। कार्यक्रम में केवल बुजुर्गों का ही नहीं, बल्कि बच्चों का भी विशेष ख्याल रखा गया। महिला मंडल द्वारा बच्चों के बीच कॉपी, कलम जैसी शिक्षण सामग्री के साथ-साथ टॉफी और बिस्किट का भी वितरण किया गया। शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन और बच्चों के चेहरों पर खुशी लाने के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की। इस पुनीत कार्य में महिला मंडल की सचिव पिंकी मोदी सहित पूनम मोदी, ज्योति मोदी, रोजी, शालिनी गुप्ता, सुमित्रा, गुड़िया देवी, खुशबू, सुकन्या, चित्रलेखा, मनीषा, प्रज्ञा, प्रीति, सीमा देवी, सोनपरी और रीना देवी ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही समाज के पुरुष सदस्यों में धर्मेश गुप्ता, आनंद मोदी, रोहित डीजे, राजू हरि सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने व्यवस्था संभालने और वितरण कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दिया। संस्था की सदस्यों ने कहा कि नव वर्ष पर इस प्रकार के सेवा कार्य से न केवल आत्मिक शांति मिलती है, बल्कि समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी पूरी होती है। उन्होंने आगे भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

कृतज्ञता ही जीवन की सच्ची राह, इच्छाओं का अंत नहीं: महंत रामानंद शाह

कबीर आश्रम में भव्य सत्संग और भंडारे का आयोजन; कई राज्यों से आए संतों ने की विश्व शांति की कामना

संवाददाता

साहिबगंज। आज शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 को स्थानीय महात्मा गांधी चौक स्थित कबीर आश्रम में भव्य सत्संग और भंडारे का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक समागम में झारखंड सहित आसपास के कई राज्यों से आए संत, महात्मा, विद्वान वक्ताओं और साध्वियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण और कबीर के भजनों से गुंजायमान रहा। सत्संग के मुख्य वक्ता महंत रामानंद शाह ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जीवन के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "कृतज्ञता का संस्कार ही जीवन की सही राह है।" प्रकृति ने मनुष्य को उसकी आवश्यकता की हर वस्तु—भोजन, जल, वायु और आश्रय—बिना किसी शर्त और हिसाब-किताब के उदारतापूर्वक प्रदान की है। महंत जी ने मनुष्य की अनंत इच्छाओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विडंबना यह है कि आवश्यकताएं पूरी होने के बाद भी मनुष्य की तृष्णा (प्यास) शांत नहीं होती। उन्होंने एक मर्मस्पर्शी उदाहरण देते हुए कहा, "इंसान की इच्छाएं श्मशान और कब्रिस्तान की तरह हैं, जिसमें चाहे जितने भी शव डाले जाएं, वह कभी भरता नहीं है।" उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य का ध्यान हमेशा उस पर रहता है जो उसे नहीं मिला, जबकि उसे परमात्मा द्वारा दिए गए स्वच्छ जल, वायु और स्वास्थ्य जैसे वरदानों का मूल्यांकन करना चाहिए। यही 'तृष्णा' मनुष्य की मुक्ति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। इस अवसर पर महंत रामानंद शाह के अलावा संत रामचंद्र साहब, संत देवेंद्र, साध्वी संत मोतीलाल साहब, संत गणेश साहब, संत विदानंद साहब, संत नीलम साध्वी, संत धनंजय साहब और संत आरती साध्वी सहित कई गणमान्य संत उपस्थित रहे। सभी महात्माओं ने सामूहिक रूप से राज्य के कल्याण और विश्व शांति की कामना की। सत्संग के पश्चात आश्रम में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल आयोजन महंत शंकर दास एवं समस्त संत परिवार की ओर से किया गया। गांधी चौक के समीप स्थित कबीर आश्रम में संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने न केवल लोगों को आध्यात्मिक शांति प्रदान की, बल्कि समाज में संतोष और सेवा का संदेश भी प्रसारित किया।

साहिबगंजः 'रोज़ एट रोड' अभियान के जरिए चालकों को सिखाया सड़क सुरक्षा का पाठ; नियमों के उल्लंघन पर मिला गुलाब का फूल

संवाददाता

साहिबगंज। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अवसर पर जिला परिवहन विभाग, साहिबगंज द्वारा शुक्रवार को एक अनूठी पहल की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO) मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में "रोज़ एट रोड" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को दंड देने के बजाय गुलाब का फूल देकर उन्हें सुरक्षित सफर के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना था। सड़क पर बिना हेलमेट, सीट बेल्ट के चलने वाले या यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों को अधिकारियों ने गुलाब का फूल भेंट किया और माला पहनाकर उनका

स्वागत किया। इस अनोखे व्यवहार से कई चालक शर्मिंदा भी हुए और उन्होंने भविष्य में नियमों के पालन का संकल्प लिया। परिवहन विभाग की टीम ने वाहन चालकों को स्पष्ट संदेश दिया कि हेलमेट और सीट बेल्ट केवल जुर्माना से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जान बचाने के लिए पहनें। विशेष रूप से तीन पहिया वाहनों (ऑटो/टोटो) के चालकों को चेतावनी दी गई कि वे क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं। अधिकारियों ने कहा, "सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। हमारा उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।" DTO मिथिलेश कुमार चौधरी ने स्पष्ट किया कि जागरूकता अभियान के बाद भी यदि कोई चालक सड़क सुरक्षा मानकों और सेफ्टी उपकरणों की अनदेखी करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के तहत भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आम लोगों के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित हैंडबिल, बुकलेट, पंपलेट और विभिन्न सरकारी योजनाओं के फॉर्म भी बांटे गए। इस अभियान को सफल बनाने में मोटरयान निरीक्षक (MVI) कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पाराशर, आईटी सहायक राजहंस, सभी थाना प्रभारी और पुलिस बल के जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिले के नागरिकों ने परिवहन विभाग की इस 'गांधीवादी' पहल की काफी सराहना की है।

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा परगनैत नियुक्ति वादों का निष्पादन, दो परगनैतों को प्रदान की गई सनद

संवाददाता

पाकुड़। अनुमंडल पदाधिकारी, पाकुड़ के न्यायालय में लंबित परगनैत नियुक्ति से संबंधित वादों का निष्पादन करते हुए हिरणपुर अंचल अंतर्गत परगना महाल धोवाडांगाल एवं परगना महाल मोहनपुर में परगनैत की नियुक्ति की गई। इस क्रम में दिनांक 02.01.2026 को अनुमंडल पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा परगना महाल धोवाडांगाल के परगनैत पद पर श्री नारायण टुडू, पिता–स्व० लोगेन टुडू तथा परगना महाल मोहनपुर के परगनैत पद पर श्री मिसिर टुडू, पिता–स्व० ईश्वर टुडू को औपचारिक रूप से सनद प्रदान की गई। बताया गया कि परगना महाल धोवाडांगाल के अंतर्गत कुल 26 ग्राम, जबकि परगना महाल मोहनपुर के अंतर्गत कुल 33 ग्राम सम्मिलित हैं। उल्लेखनीय है कि परगनैत का पद ग्राम प्रधान से उच्चतर पद है तथा इसकी नियुक्ति संथाल परगना मैनुअल, 1911 में वर्णित प्रावधानों के आलोक में की जाती है। परगनैत सामान्यतः संथाल सिविल रूल्स के अंतर्गत अपने दायित्वों का निर्वहन करते

हैं तथा परगना स्तर पर प्रशासनिक, सामाजिक एवं परंपरागत दायित्वों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर अनुमंडल प्रशासन द्वारा नव-नियुक्त परगनैतों से अपने क्षेत्र में न्याय, समन्वय एवं परंपरागत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

SIR/PRE-SIR, ब्लैक एंड व्हाइट/धुंधला मतदाता पहचान पत्र एवं मतदान केन्द्रों के रेशनलाइजेशन से संबंधित बी0एल0ओ0 एवं बी0एल0ओ0 पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

पाकुड़। जिले में SIR/PRE-SIR, ब्लैक एंड व्हाइट/धुंधला मतदाता पहचान पत्र तथा मतदान केन्द्रों के रेशनलाइजेशन से संबंधित विषयों पर बी०एल०ओ० एवं बी०एल०ओ० पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन रविन्द्र भवन, पाकुड़ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने उपस्थित बी०एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को मतदाता सूची की

शुद्धता, अद्यतन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से SIR/PRE-SIR प्रक्रिया, धुंधले/ब्लैक एंड व्हाइट मतदाता पहचान पत्र सुधार और मतदान केन्द्रों के रेशनलाइजेशन से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन से संबंधित कार्यों में भारत निर्वाचन आयोग अत्यंत सख्ती से अनुपालन की समीक्षा करता है, इसलिए सभी निर्देशों का समयबद्ध एवं शत- प्रतिशत पालन अनिवार्य

है। जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस निरीक्षण, मासिक समीक्षा बैठकें एवं आवश्यक प्रेजेंटेशन आयोग को भेजे जा रहे हैं। उपायुक्त ने उपस्थित कर्मियों को निर्वाचन से संबंधित शपथ दिलाई, जिसमें निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित निर्वाचन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई गई। उन्होंने कहा कि आयोग के समक्ष प्रस्तुतिकरण के दौरान आंकड़ों का सुदृढ़ एवं विश्वसनीय होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। जिन क्षेत्रों में अब तक मैपिंग पूर्ण नहीं हुई है, वहाँ अगले दो–तीन दिनों में अनिवार्य सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। विशेष रूप से ऐसे टोला या क्षेत्र जहाँ बी०एल०ओ० अब तक नहीं पहुँचे हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कवर करने को कहा गया। उपायुक्त ने बताया कि पाकुड़ नगर क्षेत्र में अभी भी कुछ ऐसे पोलिंग एरिया हैं जहाँ मतदाता वंचित रह गए हैं। समय रहते सुधारात्मक कार्रवाई न होने की स्थिति में संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी करने एवं आवश्यक दस्तावेज़ मंगवाने की कार्रवाई की जाएगी। केवल वास्तविक एवं पात्र मतदाताओं को ही सूची में शामिल किया जाएगा।उपायुक्त ने उदाहरण के माध्यम से बताया कि परिवार के किसी सदस्य का नाम गलत तरीके से हट जाना अथवा मृत मतदाता का नाम सूची में बने रहना कई व्यावहारिक समस्याएँ उत्पन्न करता है। ऐसे मामलों में बी०एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। मृत मतदाताओं के नाम हटाने, स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टि सुधारने तथा डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर उन्हें सूची से हटाने का कार्य पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता के साथ किया जाए। प्रत्येक सुपरवाइजर को अपने क्षेत्र के मामलों की स्पष्ट जानकारी रखते हुए सत्यापन के उपरांत ही प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर समाहर्ता श्री जेम्स सुरीन ने अपने संबोधन में कहा कि जिले की भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती क्षेत्र होने तथा नगर परिषद क्षेत्रों की विशेष परिस्थितियों के कारण पूर्व में मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में कुछ चुनौतियाँ सामने आई हैं।उन्होंने सभी कर्मियों से योजना बद्ध और सघन प्रयास करने का आह्वान किया और कहा कि मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपत्ति या सुनवाई की स्थिति में जिला प्रशासन तथ्यों के साथ सशक्त रूप से अपनी बात रख सके। प्रशिक्षण सत्र में फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, दस्तावेज़ सत्यापन, ऑनलाइन प्रविष्टि, समयबद्ध कार्य निष्पादन और निर्वाचन आयोग के दिशा- निर्देशों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

संवाददाता

पाकुड़। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, सहायिका से संबंधित एवं सड़क से संबंधित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार

» जनता दरबार में सुनी गई शिकायतें, सभी आवेदनों पर जांचोपरांत शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

बिना चालान ओवरलोड गिट्टी परिवहन कर रहा ट्रैक्टर जब्त, खनन विभाग को भेजा गया प्रतिवेदन

संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले के माल पहाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बिना वैध चालान के ओवरलोड गिट्टी का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह कार्रवाई नियमित वाहन जांच के दौरान की गई। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए खनन विभाग को प्रतिवेदन भेज दिया है।माल पहाड़ी पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान ट्रैक्टर चालक से गिट्टी परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और चालान की मांग की गई, लेकिन चालक कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही ट्रैक्टर पर क्षमता से अधिक गिट्टी लदी हुई पाई गई।पुलिस ने बताया कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बिना चालान खनिज परिवहन करना कानूनन अपराध है, जिस पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। इसी क्रम में ट्रैक्टर को जब्त कर

थाना परिसर में रखा गया है।माल पहाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले से संबंधित सभी विवरणों के साथ खनन विभाग को प्रतिवेदन भेज दिया गया है, ताकि विभागीय स्तर पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध खनिज परिवहन और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

झिकरहाटी गांव में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद बमबाजी, गांव में फैला तनाव

संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत झिकरहाटी गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद बम फोड़े जाने की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। यह घटना शुक्रवार को हुई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। बमबाजी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ घरों को क्षति पहुंचने की बात सामने आई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत नववर्ष के अवसर पर हुई थी। बताया गया कि 1 जनवरी को गांव के समीप एक खेत में पिकनिक का आयोजन किया गया था। इसी दौरान दो पक्षों के लोगों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।मामले

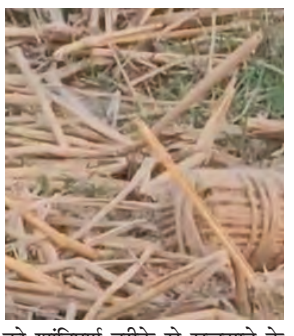

को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के उद्देश्य से 1 जनवरी की रात पंचायत मुखिया की अध्यक्षता में पंचायती भी आयोजित की गई, लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद शुक्रवार को एक बार फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और तनातनी बढ़ गई। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से बम फेंके जाने की घटना हुई, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी कुमार गौरव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने तक कुछ महिलाएं आपस में विवाद कर रही थीं, जबकि घटना में शामिल मुख्य आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। पुलिस ने गांव में छापेमारी भी की, लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी।मामले को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) दयानंद आजाद ने बताया कि दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान एक पक्ष की ओर से तीन बम फोड़े गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल गांव में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

मुफ्फासिल थाना क्षेत्र फिर सुतली बम बाज़ी आरोपी की तलाश मे जुटी पुलिस

संवाददाता

पाकुड़। देर रात को हुई विवाद को लेकर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच बमबाजी का मामला प्रकाश में आया है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के झिकरहाटी नया टोला की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार 1 जनवरी की रात कालू शेख एवं बैतूल से के बीच पिकनिक मनाने के दौरान विवाद उत्पन्न हो गया था। विवाद इतना उत्पन्न हुआ था कि देर रात में ही पंचायती कर मामले को सुलझा दिया गया था। हालांकि शुक्रवार की सुबह से ही दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे के प्रति विवाद भरी बात कर रहे थे। इतने में ही कालू शेख एवं बैदुल शेख के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि चार बजे नया टोला स्थित एक खेत में तीन सुतली बम फोड़ा गया। बम फोड़ने की आवाज सुनकर लोगों में अफरातफरी मच गया। हालांकि बमबाजी की घटना में किसी भी तरह का कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। इधर घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी गौरव कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लिया। पुलिस पहुंचने से पहले ही दोनों पक्ष के लोग फरार हो गए थे। पुलिस गांव में ही बमबाजी मामले की पहचान करने में लगी है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि बमबाजी की घटना की खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन किया गया है। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गया है पुलिस आरोपी की पहचान करने में जुटी है।

गड्ढों में तब्दील वार्ड 12 की सड़क, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 12 रेलवे कॉलोनी सिद्धार्थ नगर से नारायणखोर तक जाने वाली मुख्य सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन जाने से यह मार्ग हादसों को खुला न्योता दे रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है।स्थानीय निवासियों के अनुसार यह सड़क क्षेत्र के लोगों के आवागमन का एकमात्र साधन है। प्रतिदिन इस मार्ग से सैकड़ों ई-रिक्शा का परिचालन होता है, वहीं स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी इसी सड़क से आना-जाना करते हैं। सड़क की जर्जर हालत के कारण आए दिन वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनका अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन और ई-रिक्शा चालक अक्सर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। कई बार लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक

स्थायी मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।मुहल्लावासियों ने नगर परिषद प्रशासन से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क की हालत नहीं सुधारी गई, तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि समस्या के समाधान में देरी होने पर वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।अब देखना यह है कि नगर परिषद प्रशासन कब इस गंभीर समस्या पर ध्यान देता है और वार्ड 12 के लोगों को जर्जर सड़क से राहत मिलती है।

नगर निकाय चुनाव और शहरी समस्याओं को लेकर भाजपा का हल्ला बोल, 5 जनवरी को देगी धरना

संवाददाता

पाकुड़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पाकुड़ जिला इकाई ने शहर की ज्वलंत समस्याओं और नगर निकाय चुनाव में हो रही देरी को लेकर आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। गुरुवार को बिरसा चौक स्थित हनुमान मंदिर में जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में 5 जनवरी को विशाल धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।पूर्व विधायक अनंत ओझा करेंगे नेतृत्व जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि आगामी 5 जनवरी को पाकुड़ नगर परिषद कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।ये हैं भाजपा की प्रमुख मांगें बैठक के दौरान आगामी आंदोलन के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा ने प्रशासन और सरकार के समक्ष निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखने का फैसला किया हैः नगर निकाय

चुनावः चुनाव जल्द से जल्द कराए जाएं। चुनाव प्रक्रियाः चुनाव दलीय आधार पर हों और बैलेट पेपर की जगह ईवीएम (EVM) का उपयोग किया जाए। शहरी जलापूर्तिः लंबे समय से लंबित शहरी जलापूर्ति योजना को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि नागरिकों को पानी मिल सके। साफ-सफाईः शहर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त हो और सौंदर्यकरण के कार्य किए जाएं। भाजपा नेताओं ने कहा कि शहर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है और प्रशासन उदासीन बना हुआ है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।बैठक में ये रहे मौजूद कोर कमेटी की इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र त्रिवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, वरिष्ठ नेता विश्वनाथ भगत, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा, सपन कुमार दुबे और हिसाबी राय सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड में PDS की '4G क्रांति': राजधानी एक्सप्रेस की रफ्तार से मिलेगा राशन, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने किया ऐतिहासिक शुभारंभ

संवाददाता

जामताड़ाः- नव वर्ष 2026 के अवसर पर झारखंड सरकार ने राज्य की गरीब जनता को एक ऐतिहासिक तकनीकी सौगात दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में जन वितरण प्रणाली (PDS) को पूरी तरह हाईटेक बनाते हुए अब पुरानी और जर्जर 2G तकनीक को विदा कर दिया गया है। शुक्रवार को जामताड़ा नगर भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने अत्याधुनिक 4G सक्षम e-PoS मशीनों का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, "मेरा संकल्प झारखंड को केवल विकसित बनाना नहीं, बल्कि इसे हाईटेक बनाना है। पुरानी 2G मशीनों के कारण गरीब जनता को घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता था, नेटवर्क न होने पर खाली हाथ लौटना पड़ता था। अब 4G युग की शुरुआत के साथ PDS की रफ्तार राजधानी ट्रेन से भी तेज होगी। अब न मशीन रुकेगी और न ही तकनीकी खामियों की वजह से किसी गरीब की आंखों में आंसू आएंगे।"

PDS व्यवस्था में आए बड़े बदलावः

1. पूर्ण कवरेजः राज्य की सभी 25,428 PDS दुकानों को 4G मशीनों से लैस किया गया है।
2. पारदर्शिताः बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर लगाम लगेगी।
3. निर्बाध वितरणः खराब नेटवर्क की समस्या खत्म होगी, जिससे समय की बचत होगी।
4. सम्मान के साथ राशनः लाभुकों को अब अपमानजनक लंबी लाइनों से मुक्ति मिलेगी।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि जब केंद्र सरकार ने डीलर कमीशन जारी नहीं किया, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुर्गा पूजा के दौरान राज्य के संसाधनों से सभी 25,428 डीलरों का कमीशन भुगतान किया। उन्होंने कहा, "डीलर हमारे स्तंभ हैं, हम उनके हितों की रक्षा करेंगे, लेकिन व्यवस्था में पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होगा।" मंत्री ने घोषणा की कि चावल के साथ निःशुल्क दाल वितरण की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही यह शुरू हो जाएगा। साथ ही, चीनी वितरण में आ रही बाधाओं को भी दूर कर लिया गया है। प्रशासनिक मजबूती के लिए सभी जिलों में MO (विपणन पदाधिकारी) की बहाली की गई है और जामताड़ा में तीन नए आधुनिक गोदामों की स्वीकृति दी गई है।

राज्य स्तर के महत्वपूर्ण आंकड़ेः

कुल PDS दुकानेंः 25,428
कुल लाभुकः 2,63,12,688
e-KYC पूर्णः 2,02,14,135 (लगभग 77%)
अपात्र पाए गएः 1,94,941 (जिन्हें सूची से हटाया गया)

भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए डॉ. अंसारी ने कहा कि 20 वर्षों तक शासन करने वालों ने कभी PDS और गरीब लाभुकों की सुध नहीं ली। पिछली सरकारों ने व्यवस्था को लाचार बनाए रखा, लेकिन वर्तमान सरकार इसे देश का 'मॉडल सिस्टम' बनाने की ओर अग्रसर है।

"हमारी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक झारखंड का एक भी लाभुक भूखा न रहे। गरीब को अनाज सिर्फ मिलेगा नहीं, बल्कि पूरी गरिमा और सम्मान के साथ मिलेगा।"

इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी, खाद्य विभाग के पदाधिकारी, PDS डीलर और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

'आजाद भारत का जलियांवाला बाग': खरसावां के शहीदों को भाकपा माले ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

जामताड़ा/कुण्डहित। भाकपा माले कुण्डहित प्रखंड कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को खरसावां गोलीकांड का 77वां शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने 1 जनवरी 1948 को शहीद हुए वीर आदिवासियों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके संघर्षों को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड सचिव कामरेड सोमलाल मिर्धा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जामताड़ा जिला सचिव सुनील राणा उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इसके पश्चात उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रखंड सचिव सोमलाल मिर्धा ने इस ऐतिहासिक घटना के दर्दनाक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "1 जनवरी 1948 को खरसावां में जो हुआ, वह आजाद भारत के इतिहास का एक अत्यंत दुखद और बड़ा आदिवासी नरसंहार था। इसे 'आजाद भारत का जलियांवाला बाग' भी कहा जाता है।" उन्होंने बताया कि उस समय हो, मुंडा और संथाल समुदाय के हजारों आदिवासी खरसावां रियासत के विलय के विरोध में और अपने स्वशासन व अधिकारों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण सभा कर रहे थे। उस दौरान पुलिस ने निहत्थी भीड़ पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिसमें सैकड़ों आदिवासी शहीद हुए और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। जिला सचिव सुनील राणा ने कहा कि खरसावां गोलीकांड जल-जंगल-जमीन और आदिवासी अस्मिता की लड़ाई का प्रतीक है। लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में इस घटना को अनदेखा किया गया, लेकिन आदिवासी समाज हर साल 1 जनवरी को इसे शहादत दिवस के रूप में मनाकर अपने नायकों को याद करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि आदिवासियों की आवाज और उनके अधिकारों की रक्षा करना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है। शहादत दिवस के इस कार्यक्रम में एपवा जिला सचिव आशा मिर्धा, अध्यक्ष ममता राणा, आमिर मोहली, बसंती मोहली, सोमलाल मिर्धा, सीता कर्मकार, मीता कर्मकार, फूल कुमारी मिर्धा, सचिन राणा, राहुल मिर्धा और गुलाम अंसारी समेत कई कार्यकर्ता व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे। भाकपा माले के इस आयोजन ने न केवल शहीदों को याद किया, बल्कि वर्तमान समय में भी आदिवासी समाज के हक और हकूक की लड़ाई को जारी रखने का संदेश दिया।

प्रकृति की गोद में नव वर्ष का स्वागतः कुण्डहित के कांधीहाड़ और नदी तटों पर उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता

जामताड़ा/कुण्डहित

।जामताड़ा जिले के कुण्डहित प्रखंड में गुरुवार को अंग्रेजी नव वर्ष 2026 का स्वागत बेहद हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न पिकनिक स्पॉटों और मंदिरों में लोगों की भारी भीड़ देखी गई। जहाँ युवाओं ने प्रकृति के बीच पिकनिक मनाकर नए साल का जश्न मनाया, वहीं बुजुर्गों और सपरिवार निकले लोगों ने देवालयों में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। प्रखंड मुख्यालय से करीब 8 किलोमीटर दूर खैरापाड़ा के समीप स्थित कांधीहाड़ सैलानियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। शीला नदी के तट पर प्रकृति की गोद में बसे इस स्थान की मनमोहक सुंदरता ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यहाँ बड़ी संख्या में लोग सपरिवार पहुंचे और वनभोज का आनंद लिया। इसके अलावा बागडेहरी, विक्रमपुर, मुड़ाबेढ़िया, अम्बा, सटकी और सुद्राक्षीपुर जैसे गांवों के पास स्थित जलाशयों, नदियों और डैम के किनारे भी पिकनिक मनाने वालों का तांता लगा रहा। नए साल के जश्न में युवा वर्ग का उत्साह सातवें आसमान पर था। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच युवाओं ने अपनी यादों को कैमरे में कैद करने के लिए जमकर सेल्फी ली। कोई नदी के कल-कल बहते पानी के बीच पत्थर की चट्टानों पर पोज देता दिखा, तो कोई रेतीले तटों और लहलहाते सरसों के खेतों के बीच फोटो खिंचवाता नजर आया। आधुनिकता और प्रकृति के इस मिलन ने उत्सव के रंग को और गहरा कर दिया। जश्न के साथ-साथ आस्था का संगम भी देखने को मिला। क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। लोगों ने भगवान से नए साल में सुख, शांति, समृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य, यश और उन्नति की मन्नतें मांगी। मंदिरों के बाहर का नजारा भी काफी भक्तिमय रहा। झारखंड की प्राकृतिक छटा का जिक्र करते हुए स्थानीय लोगों ने कहा कि हमारा राज्य प्रकृति का धनी है। कुण्डहित प्रखंड के ये जलाशय और नदियां न केवल सिंचाई के साधन हैं, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी अनमोल हैं। प्रशासन की सतर्कता के बीच शांतिपूर्ण तरीके से लोगों ने नए साल का स्वागत किया और एक-दूसरे को बधाई दी। बहरहाल, कड़ाके की ठंड के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी और पूरे कुण्डहित क्षेत्र में नव वर्ष का स्वागत एक उत्सव की तरह किया गया।

राजस्व तालाबों की बंदोबस्ती में लाएं तेजी, उपायुक्त रवि आनंद ने मत्स्य विभाग को दिए कड़े निर्देश

संवाददाता

जामताड़ा। नव वर्ष के दूसरे दिन विकास कार्यों और राजस्व संग्रहण की गति तेज करने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी जामताड़ा, श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) ने मत्स्य विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। शुक्रवार (02.01.2026) को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित इस बैठक के दौरान उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यों की बिंदुवार प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले में राजस्व संग्रहण की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने पाया कि कई अंचलों में तालाबों की बंदोबस्ती की प्रक्रिया लंबित है। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उपायुक्त ने नाला, फतेहपुर और करमाटांड़ अंचल के राजस्व तालाबों व जलकरों की बंदोबस्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला मत्स्य पदाधिकारी को निर्देशित किया कि इन जलकरों की बंदोबस्ती हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञापन प्रकाशन से न केवल प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि इससे प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बैठक में विभाग द्वारा संचालित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ ससमय मिले और जिले में मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सभी तकनीकी व प्रशासनिक बाधाओं को दूर किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड विजिट बढ़ाने और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने को कहा। इस समीक्षात्मक बैठक में मुख्य रूप से जिला मत्स्य पदाधिकारी श्रीमती रितु रंजन समेत मत्स्य विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त की इस सक्रियता से उम्मीद है कि जामताड़ा में मत्स्य पालन के क्षेत्र में चल रही योजनाओं में गति आएगी और जिले के राजस्व कोष में भी बढ़ोतरी होगी।

शिक्षा और संस्कार का संगमः मॉडर्न पब्लिक आवासीय विद्यालय का 20वां स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

संवाददाता

जामताड़ा/कुण्डहित। कुण्डहित मुख्यालय स्थित मॉडर्न पब्लिक आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को विद्यालय का 20वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा से उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। स्थापना दिवस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसमें मुख्य रूप से अनाया सोरेन, लक्ष्मी रानी मुर्मू, अर्पिता बास्की, रोशनी मुर्मू, अस्मिता हैम्ब्रम और पल्लवी मरांडी ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक और आधुनिक नृत्यों की प्रस्तुति दी। बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के संस्थापक सह प्रधानाध्यापक भजहरी मंडल भावुक नजर आए। उन्होंने विद्यालय की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा, "पिछले 19 वर्षों से यह विद्यालय इस ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देने का कार्य कर रहा है। आज हम जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे कड़ा संघर्ष और कई कठिनाइयां रही हैं।" उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। यहाँ हिंदी, अंग्रेजी के साथ-साथ संस्कृत और बांग्ला भाषा की भी शिक्षा दी जाती है। साथ ही कंप्यूटर, खेलकूद, चित्रकला और संगीत जैसी विधाओं में भी बच्चों को निपुण बनाया जाता है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। इसके लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और सुरक्षा गार्डों की तैनाती की गई है। उन्होंने गर्व के साथ साझा किया कि विद्यालय के छात्र हर साल नवोदय प्रवेश परीक्षा और विभिन्न मेधा छात्रवृत्ति परीक्षाओं में सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष पुरस्कृत भी किया जाता है। इस गौरवशाली अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जाकिर अंसारी, सुधीर सेन, समीर किशोरी पाल, शिखा चौधरी, गोपीनाथ मंडल, जगबंधु फौजदार, सुबोध कर, स्मृति मित्र, विद्या रत्न फौजदार, झुंपा मंडल, धनंजय मंडल, सुभाष रजक, मालती मुर्मू, पिउ मरांडी और विश्वनाथ मंडल सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। मॉडर्न पब्लिक आवासीय विद्यालय का यह 20वां स्थापना दिवस न केवल एक उत्सव था, बल्कि शिक्षा के प्रति संस्थान के समर्पण और उपलब्धि का प्रतिबिंब भी रहा।

गांधीगीरी से सड़क सुरक्षा का पाठः कुण्डहित में बिना हेलमेट चलने वालों को पहनाई गई फूलों की माला

संवाददाता

जामताड़ा/कुण्डहित। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को जामताड़ा जिला परिवहन कार्यालय और जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा कुण्डहित थाना गेट के समीप एक अनूठा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान की खास बात यह रही कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने के बजाय उन्हें गुलाब का फूल देकर और माला पहनाकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) जमाले राजा और थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने किया। मौके पर सड़क अभियांत्रिकी विश्लेषक माज आलम और सूचना प्रौद्योगिकी सहायक सतीश सिंह भी उपस्थित थे। टीम ने सड़क पर बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाने वालों और बिना सीट बेल्ट के कार चलाने वाले चालकों को रोका और उन्हें विनम्रतापूर्वक सुरक्षा नियमों की महत्ता समझाई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बीडीओ जमाले राजा ने कहा, "सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण नशे की हालत में वाहन चलाना और यातायात नियमों की अनदेखी है। आपकी एक छोटी सी लापरवाही न केवल आपकी जान जोखिम में डालती है, बल्कि आपके परिवार की खुशियां भी छीन सकती है।" उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे हेलमेट को बोझ न समझें, बल्कि इसे अपनी जीवन रक्षा का कवच मानें। सूचना प्रौद्योगिकी सहायक सतीश सिंह ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम 1 जनवरी से शुरू हुआ है जो पूरे माह यानी 31 जनवरी तक चलेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और सड़क सुरक्षा टीम विभिन्न माध्यमों जैसे पोस्टर वितरण और लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को जागरूक कर रही है। अभियान के दौरान अधिकारियों ने 'गोल्डन आवर' (दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा) के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यदि दुर्घटना के तुरंत बाद घायल को एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचा दिया जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। सड़क दुर्घटनाओं के अन्य कारणों जैसे—गलत लेन में गाड़ी चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, थकान और ओवरस्पीडिंग पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सड़क सुरक्षा टीम ने वाहन चालकों के बीच सुरक्षा नियमों से संबंधित पोस्टरों का वितरण किया। इस दौरान लोगों को बताया गया कि सुरक्षित सफर के लिए केवल पुलिस का डर काफी नहीं है, बल्कि स्वयं की जिम्मेदारी और जागरूकता अनिवार्य है। इस मौके पर पुलिस विभाग के कई पदाधिकारी और सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित थे। प्रशासन की इस 'गांधीगीरी' वाली पहल की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की।

खरसावां गोलीकांडः फतेहपुर में 'काला दिवस' के रूप में मनी शहादत, पेसा कानून को धरातल पर उतारने का लिया गया संकल्प

संवाददाता

जामताड़ा/फतेहपुर। नव वर्ष के पहले दिन जहाँ पूरी दुनिया जश्न में डूबी थी, वहीं जामताड़ा जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत धसनिया ग्राम में आदिवासियों ने 1 जनवरी 1948 के खरसावां गोलीकांड के शहीदों को याद करते हुए इस दिन को 'काला दिवस' और 'शहादत दिवस' के रूप में मनाया। विद्व चंदान पूजा स्थल के पास आयोजित इस कार्यक्रम में मांझी परगना महाल और समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों की याद में 2 मिनट का मौन धारण कर की गई। उपस्थित वक्ताओं ने खरसावां गोलीकांड के इतिहास को याद करते हुए कहा कि 1 जनवरी का दिन आदिवासी समाज के लिए उत्सव का नहीं, बल्कि शोक और संकल्प का दिन है। इस दौरान फतेहपुर प्रखंड के प्रमुख अरविंद कुमार मुर्मू सहित अन्य नेताओं ने शहीदों के बलिदान को नमन किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि संथाल परगना के सभी जिलों में मांझी परगना स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों के माध्यम से गांव-गांव के आदिवासियों को प्रेरित किया जाएगा कि वे 1 जनवरी को शहादत दिवस के रूप में मनाएं और किसी भी प्रकार की ऐसी उत्सव वाली गतिविधियों से दूर रहें जो इस दिन की गंभीरता को कम करती हों। मांझी परगना के पदाधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम का एक मुख्य एजेंडा राज्य में पेसा (PESA) कानून को प्रभावी ढंग से लागू करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि परंपरागत स्वशासन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पेसा कानून का धरातल पर उतरना अनिवार्य है। इसके लिए मांझी परगना और स्वशासन के अन्य पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे कानून की बारीकियों को समझ सकें और अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें। इस गरिमामयी कार्यक्रम में फतेहपुर प्रखंड प्रमुख अरविंद कुमार मुर्मू, उत्पल सोरेन, रविदास मरांडी, दिलीप टुडू, कमलजीत मुर्मू, रमेश सोरेन, भुवारी जोर (गोड्डा), लखन मुर्मू, रविंद्र किस्कू, हेमंत मरांडी और लखन किस्कू सहित दर्जनों समाजसेवी और ग्रामीण उपस्थित थे।

पूर्णिमा की रात भूलकर भी न करें ये 5 काम

हिंदू धर्म में किसी भी पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व होता है। ऐसा कहा जाता है कि पूर्णिमा की रात को चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से युक्त होता है और बेहद पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है। यह तिथि चंद्रमा की पूर्ण कलाओं का प्रतीक भी होती है और इसे सकारात्मक ऊर्जा और माता लक्ष्मी के आशीर्वाद से भी जोड़ा जाता है। ऐसी मान्यता है कि पूर्णिमा की रात को आपको सात्विक और शुद्ध तरीके से रहना चाहिए जिससे चंद्रमा की ऊर्जा मिले और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा भी बनी रहे। यही नहीं ज्योतिष शास्त्र में ऐसा भी कहा जाता है कि यदि आप पूर्ण चंद्रमा की रात यानी कि पूर्णिमा की रात को अनजाने में कुछ गलतियां कर बैठती हैं तो इससे आपके जीवन में आर्थिक हानि हो सकती हैं। यही नहीं ऐसा करने से माता लक्ष्मी रूठ सकती हैं और आपके बनते काम भी बिगड़ने लगते हैं।

नाखून न काटें

वैसे तो शास्त्रों में कभी भी रात के समय नाखून और बाल काटने की मनाही होती है, लेकिन आपको पूर्णिमा की रात को ऐसा करने से पूरी तरह से बचना चाहिए। पूर्णिमा की रात को नाखून काटना अशुद्धता का संकेत देता है और इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। यही नहीं ऐसा करने से माता लक्ष्मी भी नाराज हो सकती हैं।

घर को गंदा न छोड़ें

पूर्णिमा की रात को माता लक्ष्मी के आगमन का समय भी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आपका घर पूर्णिमा की रात में गंदा होता है तो माता लक्ष्मी का आगमन नहीं होता है। यदि घर अस्त-व्यस्त हो या घर के कोने में गंदगी इकट्ठा हो तो माता लक्ष्मी रूठ सकती हैं। मुख्य रूप से पूर्णिमा की रात को किचन और पूजा स्थल गंदा नहीं होना चाहिए।

दूध या दही का दान न करें

पूर्णिमा की रात को आपको भूलकर भी दूध या दही का दान नहीं करना चाहिए। यही नहीं इस दिन किसी से इन चीजों का दान लेना भी नहीं चाहिए। ऐसा करने से आपको आर्थिक हानि हो सकती है और बनते काम बिगड़ सकते हैं। दूध और दही को समृद्धि और शांति का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इन्हें पूर्णिमा की रात को किसी को न दें।

घर पर अंधेरा न करें

पूर्णिमा की रात को चंद्रमा अपने पूर्ण प्रकाश से युक्त होता है और इस दिन आपको रात के समय घर पर अंधेरा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में इसके नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं और माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं जिससे अनायास ही धन हानि हो सकती है। आपको पूर्णिमा की रात को घर पर दीपक भी जलाने चाहिए और मुख्य द्वार पर भी घी का दीपक प्रज्वलित करना शुभ माना जाता है।

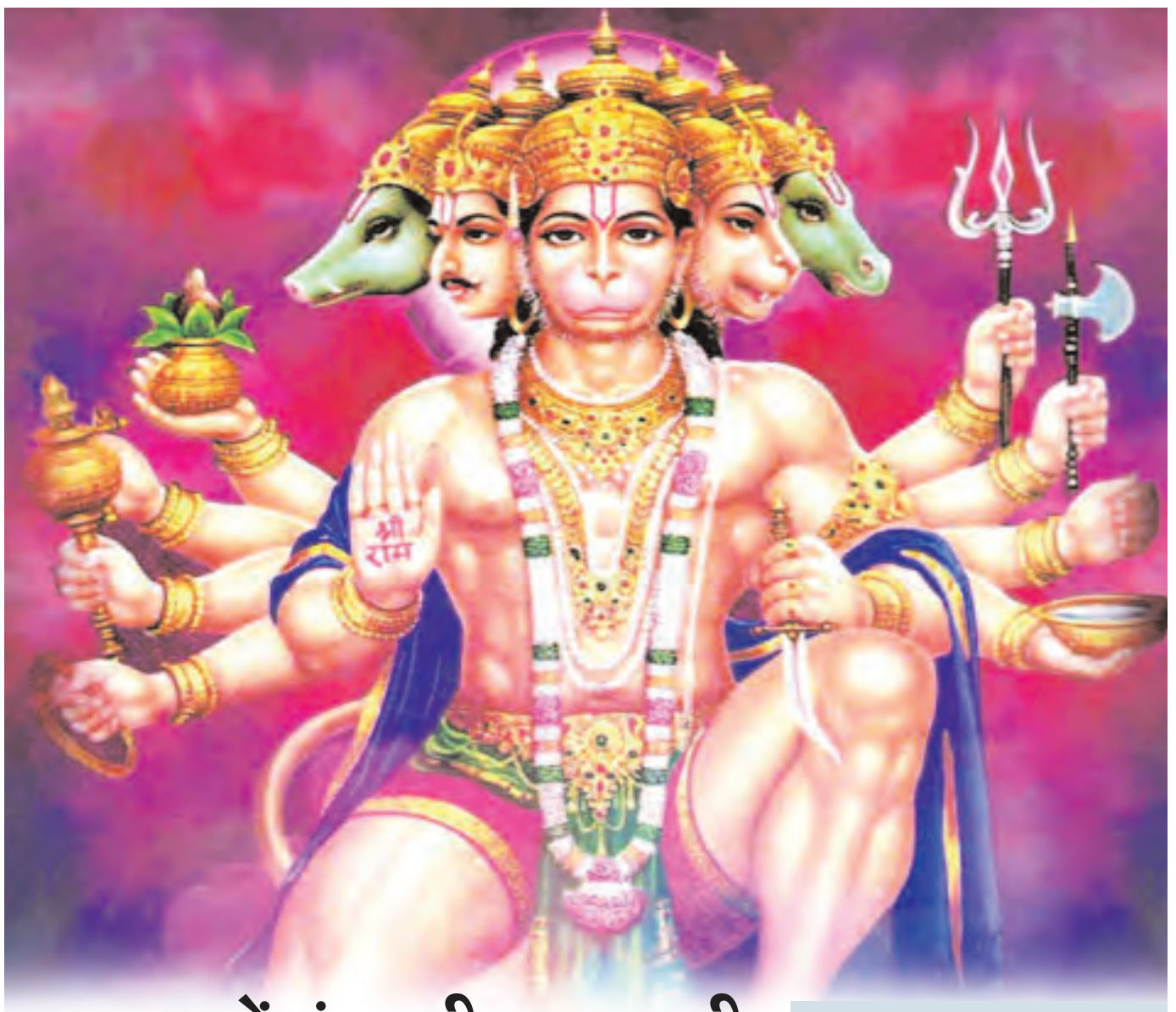

क्या घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखना ठीक है? जानें ज्योतिष के नियम

पंचमुखी हनुमान जी को हिंदू धर्म में शक्ति, साहस और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा का प्रतीक माना जाता हैं। उनकी पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय मानी जाती है। पंचमुखी हनुमान जी से पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं, लेकिन क्या इसे घर में रखना उचित है? यह सवाल कई लोगों के मन में जरूर उठता है क्योंकि इनके पांच स्वरुप उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान जी हैं। ऐसे में ये सभी देवता अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधि करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस मूर्ति का उचित तरीके से पूजन व सम्मान न कर सकें तो आपको इसके भूलकर भी पाने घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है, जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं है। हनुमान जी का यह स्वरूप आमतौर पर पूजा स्थलों और मंदिरों के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसकी उग्र ऊर्जा को संभालने के लिए विशेष पूजा-अर्चना और नियमों का पालन करना आवश्यक होता है।

पंचमुखी हनुमान जी का महत्व

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग दिशाओं और तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मूर्ति में पूर्व दिशा की तरफ हनुमान ही का मूल स्वरुप दिखाई देता है। जो भक्तों को आत्म-शक्ति और साहस प्रदान करता है। मूर्ति का दक्षिण मुख जो नरसिंह स्वरुप है यह मुख भय और शत्रु विनाश का प्रतीक होता है। पश्चिम मुख जो गरुड़ देव को दिखाता है सभी प्रकार के नाग दोष और विष से हमारी रक्षा करता है। उत्तर दिशा की तरफ का मुख वराह रूप होता है जो धन और समृद्धि का प्रतीक होता है। ऊपर का मुख हयग्रीव रूप होता है जो ज्ञान और विजय का प्रतीक होता है। इन सभी स्वरूपों को एक मूर्ति में ढालकर पंचमुखी हनुमान जी बनते हैं जो अत्यंत शक्तिशाली माने जाते हैं।

घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर क्यों नहीं रखनी चाहिए?

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक उग्र और शक्तिशाली है। उनकी ऊर्जा इतनी प्रबल होती है कि इसे नियंत्रित करना आसान नहीं होता है। इस मूर्ति को घर में गलत स्थान पर रखने से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से उस स्थान की ऊर्जा बहुत ज्यादा सक्रिय हो सकती है जो ऊर्जा के असंतुलन का कारण बन सकती है। यह ऊर्जा कभी-कभी घर के सदस्यों के लिए असुविधाजनक और तनावपूर्ण हो सकती है। इस ऊर्जा के सकारात्मक की जगह कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जिससे लोगों के बीच आपसी झगड़े बढ़ सकते हैं और अशांति का वातावरण पैदा हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर उग्रता का प्रतीक

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से वहां का माहौल उग्र और अशांत हो सकता है, खासकर यदि उनकी पूजा विधिवत न की जाए। दरअसल इस मूर्ति की पूजा करना आसान नहीं होता है, बल्कि इसके कुछ विशेष नियम होते हैं और उनका पालन सब लोग नहीं कर पाते हैं। यदि उनकी पूजा में कोई त्रुटि होती है तो उसके जीवन में नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान होना जरूरी

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने से पहले उचित स्थान और दिशा का चयन करना अनिवार्य है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, गलत दिशा या स्थान पर इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा की बजाय वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। अक्सर देखा गया है कि लोग इसे बिना सोचे-समझे घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। हालांकि, यह स्थान पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता, क्योंकि ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही उपयोग नहीं हो पाता और अनजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है। इस स्वरूप को घर में रखने का उद्देश्य बुरी शक्तियों से बचाव और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है, लेकिन यदि इसे नियमों के अनुसार न रखा जाए तो इसके विपरीत परिणाम हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति कहां रखनी चाहिए

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मुख्य रूप से मंदिरों में की जाती है, जहां उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है। अतः यह मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा विकल्प होता है, जिससे उनकी पूजा नियम से की जा सके। व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है और यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करती है।

मासिक शिवरात्रि के दिन करें शिव रामाष्टक स्तोत्र का पाठ, सभी कष्ट हो सकते हैं दूर

मासिक शिवरात्रि का व्रत सौभाग्य वृद्धि और मनोकामना पूर्ति के लिए उत्तम फलदायी माना गया है। हिंदू धर्म में मासिक शिवरात्रि का व्रत सौभाग्यशाली माना गया है। पंचांग के हिसाब से मासिक शिवरात्रि का व्रत कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन पड़ता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी किसी कार्य को सिद्ध करना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से और पूजा-पाठ करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है और व्यक्ति का भाग्योदय हो सकता है। अब ऐसे में इस दिन शिव रामाष्टक स्तोत्र का पाठ करने का विशेष महत्व है।

शिव रामाष्टक स्तोत्र

शिव हरे शिव राम सखे प्रभो त्रिविधतापनिवारण हे विभो ।
अज जनेश्वर यादव पाहि मां शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।1।।
कमललोचन राम दयानिधे हरगुरो गजररक्षक गोपते ।
शिवतनो भव शंकर पाहि मां शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।2।।
सुजनरञ्जन मंगलमन्दिरं भजति ते पुरुष- परमं पदम् ।
भवति तस्य सुखं परमद्भुतं शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।3।।
जय युधिष्ठिरवल्लभ भूपते जय जयार्जितपुण्यपयोनिधे ।
जय कृपामय कृष्ण नमोऽस्तु ते शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।4।।
भवविमोचन माधव मापते सुकविमानसहंस शिवारते ।
जनकजारत राघव रक्ष मां शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।5।।
अवनिमण्डलमंगल मापते जलदसुंदर राम रमापते ।
निगमकीर्तिगुणार्णव गोपते शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।6।।
पतितपावन नाममयी लता तवयशो विमलं परिगीयते ।
तदपि माधव मां किमुपेक्षसे शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।7।।
अमरतापरदेव रमापते विजयतस्तव नामधनोपमा ।
मयि कथं करुणार्णव जायते शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।8।।
हनुमत- प्रिय चापकर प्रभो सुरसरिद्धृतशेखर हे गुरो ।
मम विभो किमु विस्मरणं कृतं शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।9।।
अहरहर्जनरञ्जनसुन्दरं पठति य- शिवरामकृतं स्तवम् ।
विशति रामरमाचरणाम्बुजे शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।10।।
प्रातरुत्थाय यो भक्त्या पठेदेकाग्रमानस- ।
विजयो जायते तस्य विष्णुमाराध्यमाप्नुयात् ।।11।।

शिवरामाष्टक स्तोत्र का पाठ करने का महत्व

शिवरामाष्टक स्तोत्र का पाठ करने से सभी पाप नष्ट होते हैं और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं, इस स्तोत्र का पाठ करने से व्यक्ति को यश, कीर्ति, सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। यह स्तोत्र शत्रुओं का नाश करने वाला भी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप इस स्तोत्र का पाठ नियमित रूप से करते हैं, तो व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

जीवन की परेशानियों से मुक्ति के लिए पौष पूर्णिमा के दिन करें ये उपाय

पौष माह की पौष पूर्णिमा इस साल 3 जनवरी 2026 को पड़ रही है। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव की पूजा का विधान है। इसके अलावा, पौष पूर्णिमा का ज्योतिष में भी खासा महत्व माना जाता है क्योंकि इस दिन राहु का प्रभाव अपने चरम पर होता है और अन्य ग्रह क्षीण पड़ जाते हैं। ऐसे में राहु के दुष्प्रभाव से बचने और जीवन की परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए इस दिन कुछ उपाय करने की सलाह ज्योतिष में दी जाती है। इसी कड़ी में ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि पौष पूर्णिमा के दिन कौन से सरल उपाय आजमाए जा सकते हैं और क्या हैं उनसे मिलने वाले लाभ।

पौष पूर्णिमा के दिन पितृ शांति का उपाय

पितरों के अशांत होने पर पितृ दोष लगता है जिसके प्रभाव से परिवार के एक-एक जन को कष्टों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर पितरों को प्रसन्न करना है और उनकी कृपा पानी है तो पौष पूर्णिमा के दिन पितृ शांति के लिए पितरों का तर्पण करें और पितरों के निमित्त दान करें एवं छोटी पूजा आयोजित करें।

पौष पूर्णिमा के दिन नकारात्मकता का उपाय

घर में नकारात्मकता का स्तर बढ़ गया है आय फिर आसपास नकारात्मक ऊर्जा प्रभावित करती है। यहां तक कि बुरी नजर लगने जैसा आपको आभास हो रहा है तो ऐसे में आपको पौष पूर्णिमा के दिन बस एक छोटा सा उपाय करना है। पौष पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीया जलाएं।

पौष पूर्णिमा के दिन कार्य पूर्ति का उपाय

पौष पूर्णिमा के दिन कार्य की पूर्ति के लिए आप तीन काम कर सकते हैं। अगर आपका कोई काम अटका हुआ है तो पौष पूर्णिमा के दिन पहला काम सूर्य को जल में तिल मिलाकर अर्घ्य दें, दूसरा काम गंगाजल से स्नान करने के बाद उस अकाम को करने के लिए जाएं और अंतिम रहू स्तोत्र का पाठ करें।

संक्षिप्त समाचार

जहानाबाद में 711 लीटर शराब जब्त, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने की कार्रवाई

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद में नववर्ष के मौके पर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। जांच अभियान के दौरान 711 लीटर अंग्रेजी शराब और 91 लीटर बीयर जब्त की गई है। जिलाधिकारी अलंकता पांडेय और पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के संयुक्त निर्देश पर जिले में जगह-जगह निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला प्रशासन, मद्य निषेध कार्यालय, जिला परिवहन कार्यालय, खनन विभाग एवं पुलिस बल के सहयोग से संचालित किया गया।

अभियान के क्रम में मद्य निषेध उत्पादन एवं निबंधन विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में शराब बरामद की। उत्पाद अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि काली नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रंजीत चौधरी के घर छापेमारी की गई, जहां से यह शराब बरामद हुई। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई से पुलिस प्रशासन ने नववर्ष के मौके पर शराब खपाने की साजिश को विफल कर दिया। जब्त शराब को नियमानुसार कब्जे में लेते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अर्राबाड़ी में पुलिस ने विदेशी शराब जब्त की

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड के अर्राबाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने नए साल के अवसर पर बड़ी कार्रवाई की है। रायपुर चौक बैंक मोड़ स्थित एक पान गुमटी से अवैध विदेशी शराब बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। यह घटना 1 जनवरी, गुरुवार शाम की है। अर्राबाड़ी थाना प्रभारी कनक लता विधि-व्यवस्था संधारण के लिए क्षेत्र भ्रमण पर थीं। इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि रायपुर बैंक मोड़ के पास एक पान गुमटी पर संदिग्ध कार्टून रखे हैं। पुलिस के पहुंचते ही दुकानदार कार्टून उठाकर भागने लगा, जिसे पुलिस बल ने खदेड़कर पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान कार्टून से 180 एमएल की 54 बोतल विदेशी शराब (ऑफिसर चॉइस) बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 9 लीटर 720 एमएल है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बीटू कुमार दास के रूप में हुई है। वह रायपुर गांव, वार्ड संख्या 09, थाना अर्राबाड़ी, जिला किशनगंज के निवासी स्व. विजय कुमार दास का पुत्र है। थाना प्रभारी कनक लता ने बताया कि नए साल के मद्देनजर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। उन्होंने यह भी कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बेगूसराय में 5 जनवरी तक 8वीं तक के स्कूल बंद

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में सर्दी का सितम जारी है। शीतलहर के चलते ठिठुरन बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे में न्यूतम तापमान 9 डिग्री के करीब पहुंच गया है। शुक्रवार को सुबह से ही ग्रामीण और शहरी इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। धूप नहीं निकलने से परेशानी बढ़ गई है। ठंड के चलते आठवीं तक के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 5 जनवरी तक बंद कर दिया गया है। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण कम तापमान की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत जिले के प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र सहित कक्षा 8वीं तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर 5 जनवरी तक प्रतिबंधित रखने का निर्देश दिया है। 8वीं से ऊपर की कक्षाओं का संचालन विशेष सावधानी के साथ सुबह 10:00 बजे से 04:30 बजे तक करने का निर्देश दिया है। प्री-बोर्ड एवं बोर्ड परीक्षाओं के लिए संचालित विशेष कक्षाओं अथवा परीक्षाओं को इस आदेश के दायरे से मुक्त रखा गया है। सभी आंगनबाड़ी केंद्र में दोपहर 12:00 बजे से 02:00 बजे के बीच केवल बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

समान मामला-समान फैसला: राजस्व प्रशासन को उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का सख्त संदेश

पटना, एजेंसी। राजस्व प्रशासन में समानता, पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने को लेकर राज्य सरकार ने स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजस्व विभाग के सभी पदाधिकारियों को साफ संदेश देते हुए कहा है कि समान परिस्थितियों वाले मामलों में समान निर्णय देना अनिवार्य है और इसमें किसी भी स्तर पर मनमानी या भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत प्रत्येक राजस्व पदाधिकारी का संवैधानिक दायित्व है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के 'सात निश्चय' कार्यक्रम के अंतर्गत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' के लक्ष्य को तभी साकार किया जा सकता है, जब आम नागरिकों को यह भरोसा हो कि भूमि और राजस्व से जुड़े मामलों में निष्पक्ष, पारदर्शी और एकरूप कार्रवाई की जाएगी। भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, जमाबंदी कायम करने, अतिक्रमण हटाने और सार्वजनिक भूमि से जुड़े मामलों में स्पष्ट, सकारण और विधिसम्मत आदेश पारित करना सभी राजस्व अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी जिलों के समाहर्ताओं और

अधीनस्थ राजस्व पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि समान मामलों में अलग-अलग निर्णय की कोई गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। किसी व्यक्ति की पहचान, सामाजिक हैसियत या दबाव के आधार पर निर्णय लेना पूरी तरह अनुचित है। ऐसे मामलों में कड़ी प्रशासनिक जवाबदेही तय की जाएगी।

इसी क्रम में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने प्रशासनिक एवं अर्द्ध-न्यायिक कार्यों में समानता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग के प्रधान सचिव सी.के. अनिल द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि सभी राजस्व पदाधिकारी संविधान के अनुच्छेद-14 और समता के सिद्धांत (प्रिंसिपल ऑफ पैरिटी) का अनिवार्य रूप से पालन करेंगे, ताकि समान परिस्थितियों वाले मामलों में समान निर्णय सुनिश्चित हो सके।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि भूमि सुधार जन कल्याण संवाद-2025 के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई मामलों में विधिक ज्ञान और समुचित प्रशिक्षण के अभाव में समान परिस्थितियों में भिन्न-भिन्न आदेश पारित किए गए। यह स्थिति न केवल संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है, बल्कि इससे आम जनता का प्रशासन पर विश्वास भी कमजोर होता है।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, जमाबंदी, अतिक्रमण हटाने, पट्टा देयता और सार्वजनिक भूमि से जुड़े सभी मामलों में एकरूप, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई अपेक्षित होगी। पहचान देखकर आदेश देना, किसी प्रकार के दबाव में अलग व्यवहार करना और समान मामलों में भिन्न निर्णय देना पूर्णतः निषिद्ध कर दिया गया है।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि आदेश पारित करते समय राजस्व पदाधिकारी सकारण निर्णय देंगे, तथ्यों की तुलनात्मक विवेचना करेंगे और यदि किसी समान मामले में अलग निर्णय लिया गया हो, तो उसका स्पष्ट कारण अभिलेख पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इन दिशा-निर्देशों के प्रभावी और सख्त अनुपालन की जिम्मेदारी जिला समाहर्ताओं को सौंपी गई है।

राज्य सरकार का मानना है कि इन निर्देशों के पालन से न केवल भूमि और राजस्व मामलों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आम नागरिकों को समयबद्ध और न्यायसंगत समाधान भी मिलेगा। यह कदम राजस्व प्रशासन को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और संविधानसम्मत बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

शेखपुरा में इंस्टाग्राम चैट विवाद में मारपीट

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा जिले के मेहूस थाना क्षेत्र के मनियौरी गांव में बीती रात इंस्टाग्राम पर चैट को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 8 लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों के परिजनों में से लक्ष्मण कुमार ने बताया कि गांव के नारो ठाकुर के बेटे ने उनकी बहन के मोबाइल पर इंस्टाग्राम के जरिए आपत्तिजनक वीडियो भेजे थे। जब उन्होंने यह देखा तो युवक के घर शिकायत करने पहुंचे। शिकायत करने पहुंचने पर युवक और उसके परिवार के लोग, जिनमें विकास कुमार, नवीन ठाकुर और नरेश ठाकुर शामिल थे, उग्र हो गए। उन्होंने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर लक्ष्मण कुमार की मां सहित परिवार के पांच लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों में एक पक्ष से सुमा देवी, बबीता कुमारी, लक्ष्मण कुमार, सुरेश साव और मुनकी देवी शामिल हैं। दूसरे पक्ष से विकास कुमार, शांति देवी और विपिन ठाकुर घायल हुए हैं। घायलों में चंद्रशेखर साव की 62 वर्षीय पत्नी सुमा देवी की हालत गंभीर बताई गई है। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से सदर अस्पताल शेखपुरा में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव व्याप्त है। मेहूस थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नये साल में बिहार को मिलेगी सबसे लंबे पुल की सौगात, सुपौल एयरपोर्ट से शुरू होगी उड़ान

सुपौल, एजेंसी। जिले में नव वर्ष 2026 का स्वागत हर्ष, उल्लास और विकास की नई उम्मीदों के साथ किया जा रहा है. आने वाला वर्ष जिले के लिए ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है. जब कई बहुप्रतीक्षित और महत्वाकांक्षी परियोजनाएं अपने अंतिम चरण में पहुंचकर सुपौल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करेंगी.

भारतमाला परियोजना के तहत कोसी नदी पर देश का सबसे बड़ा सड़क पुल सुपौल के विकास का प्रतीक बनकर उभर रहा है. बकौर से भेजा के बीच 10.5 किलोमीटर लंबा यह महासेतु 412.23 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है. निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है. जून 2026 तक इस पुल पर आवागमन शुरू हो जायेगा. इसके चालू होने से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा. आर्थिक गतिविधियों को जबरदस्त गति मिलेगी.

वीरपुर में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा फिजिकल मॉडलिंग सेंटर भी सुपौल की पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को तैयार है. 108 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह केंद्र कोसी नदी की बाढ़, सिल्ट और जल प्रबंधन से जुड़ी जटिल समस्याओं का समाधान निकालेगा. वर्ष

2020 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शिलान्यास किए गए इस केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. 2026 में इसके संचालन की प्रबल संभावना है. यह केंद्र पुणे स्थित सीडब्ल्यूपीआरएस की तर्ज पर पूर्वी भारत का सबसे बड़ा जल संसाधन अनुसंधान केंद्र होगा.

इसके साथ ही, उड़ान योजना के तहत वीरपुर में बन रहा हवाई अड्डा भी सुपौल को हवाई नक्शे पर स्थान दिलाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा. जिससे व्यापार, पर्यटन और आवागमन को नई रफ्तार मिलेगी. शहरवासियों के लिए राहत की खबर यह है कि जिला मुख्यालय स्थित उत्तरी रेलवे ढ़ाला के समीप निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज भी नए साल में पूरा होने की उम्मीद है. कुल 11 पायों में से सात का निर्माण हो चुका है. समाहरणालय की ओर एप्रोच पथ का कार्य भी जारी है. 2026 में इसके पूर्ण होने से रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी. अमृत भारत योजना के तहत बनाये जा रहे सुपौल रेलवे स्टेशन भी वर्ष 2026 में पूर्ण रूप से बन कर तैयार हो जायेगा. उम्मीद जतायी जा रही है जब यह स्टेशन आधुनिक रूप से तैयार हो जायेगा. तब यात्री सुविधा में विस्तार किया जायेगा. स्टेशन से देश के अन्य भागों के लिए कई हाई स्पीड ट्रेन खुलेगी. जिससे लोगों को यातायात की सुविधा मिलेगी. इसके साथ ही बैजनाथपुर हॉल्ट को जंक्शन का दर्जा दिया जायेगा.

भोजपुर में 15.17 ग्राम हेरोइन बरामद, मौके से महिला समेत 2 तस्कर गिरफ्तार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर हेरोइन के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी नवादा थाना क्षेत्र से हुई है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ, नकद और तस्करी से जुड़े अन्य सामान बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में बहीरो मोहल्ला वार्ड संख्या-45 निवासी परदोश पासवान और श्रीटोला वार्ड संख्या-36 निवासी मिथिलेश पासवान की पत्नी रिंकी देवी शामिल है। तलाशी के दौरान कुल 15.17 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया, जिसे 96 पुड़िया में पैक किया गया था। इसके अलावा छह मोबाइल, 3,750 रुपए कैश, एक रबर बैंड और पुड़िया बनाने में इस्तेमाल कागज भी जब्त किए गए हैं।

गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी: इस संबंध में बुधवार को पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नवादा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि श्रीटोला-बहीरो रेलवे लाइन के पास एक महिला के द्वारा मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसका सत्यापन कराया गया। इसके बाद थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान मौके से दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में उनके पास से हेरोइन की पुड़िया बरामद की गई। इसके बाद दोनों की निशानदेही पर उनके घरों पर भी छापेमारी की गई, जहां से मोबाइल समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। इस कार्रवाई के दौरान एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। जिसने जांच के बाद बरामद पदार्थ के मादक होने की पुष्टि की। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष राजू कुमार, दारोगा दीपक कुमार, महिला पुलिस पदाधिकारी निशा भारती समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने नवादा थाना में दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही पुलिस पूछताछ के दौरान इनके नेटवर्क और अन्य संलिप्त तस्करों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बांग्लादेशी बताकर युवक की पिटाई, एसपी ने एसआईटी गठित कर गिरफ्तारी का दिया आदेश

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी जिले से एक बेहद निंदनीय और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां बांग्लादेशी होने के आरोप में एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित युवक की पहचान सुपौल जिले के निवासी एक मजदूर के रूप में हुई है, जो मधुबनी में रहकर फेरी लगाने का काम करता है।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद मधुबनी के पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। एसपी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आदेश दिया है। इसके साथ ही पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। एसपी योगेंद्र कुमार ने वायरल वीडियो में किए जा रहे दावों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि पीड़ित युवक बांग्लादेशी नहीं है, बल्कि वह पड़ोसी जिला सुपौल का निवासी है। उन्होंने बताया कि युवक मधुबनी जिले में फेरी का कार्य करता है और राजनगर थाना क्षेत्र के चकदह गांव में कुछ लोगों द्वारा उसके साथ मारपीट की गई।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर भ्रामक और गलत खबरें फैलाई जा रही हैं, जिनमें युवक को बांग्लादेशी बताया जा रहा है, जो पूरी तरह से असत्य है। पुलिस

सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर बनाए हुए है ताकि किसी तरह की अफवाह या गलत सूचना फैलने से रोका जा सके। फिलहाल सदर डीएसपी-2 के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले में मारपीट करने वालों को कितनी जल्दी गिरफ्तार कर पाती है।

बिहार में घने कोहरे के बीच भीषण सड़क हादसा, एक की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले में शुक्रवार की सुबह कोहरे और रफ्तार के मेल ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। बिक्रम थाना क्षेत्र के पटना-पालीगंज मार्ग पर अख्तियारपुर मझौली गांव के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बस ने सड़क किनारे खड़े ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए, जिसमें एक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, ऑटो में सवार करीब आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हैं।

घटना के संबंध में घायल यात्रियों ने बताया कि हादसा सुबह उस वक्त हुआ जब पालीगंज के मखमिलपुर निवासी कन्हैया कुमार अन्य सवारियों के साथ ऑटो से बिहटा की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अत्यधिक कोहरा होने के कारण चालक को सड़क साफ नहीं दिख रही थी, इसलिए उसने सड़क किनारे ऑटो रोककर उसका शीशा साफ करना शुरू किया। इसी दौरान बिक्रम की ओर से आ रही एक अज्ञात तेज

रफ्तार बस ने खड़े ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को मलबे से बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए बिक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। मृतक की पहचान पालीगंज थाना क्षेत्र के मखमिलपुर निवासी कन्हैया कुमार के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में थानाध्यक्ष प्रभात कुमार ने बताया कि शव के पोस्टमोर्टम की प्रक्रिया की जा रही है, वहीं घायलों का उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। कोहरे का फायदा उठाकर चालक बस लेकर घटनास्थल से फरार हो गया है। पुलिस ने अज्ञात बस के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी चालक को पकड़ा जा सके। हादसे के बाद कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने सुचारू कराया।

डीएमसीएच को मिला नया नेतृत्व, डॉ यूसी झा बने प्रिंसिपल और डॉ जगदीश चंद्र संभालेंगे अधीक्षक पद

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा स्थित उत्तर बिहार के सबसे बड़े अस्पताल दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) को नए वर्ष की शुरुआत में नया नेतृत्व मिल गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार डॉ यूसी झा को डीएमसीएच का नया प्रिंसिपल नियुक्त किया गया है, जबकि डॉ जगदीश चंद्र को अस्पताल का अधीक्षक बनाया गया है। गौरतलब है कि 31 दिसंबर को डीएमसीएच की प्रिंसिपल डॉ अलका झा और अधीक्षक डॉ शीला कुमारी सेवानिवृत्त हो गई थीं। उनके अवकाश प्राप्त करने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से तत्काल किसी को प्रभार नहीं दिए जाने के कारण नए वर्ष के पहले दिन करीब 20 घंटे तक अस्पताल में असमंजस की स्थिति बनी रही। हालांकि देर शाम जैसे ही स्वास्थ्य विभाग की अधिसूचना जारी हुई, अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने नव नियुक्त प्रिंसिपल और अधीक्षक को बधाई दी। नव नियुक्त प्रिंसिपल डॉ यूसी झा वर्तमान में डीएमसीएच के मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष हैं, जबकि नए अधीक्षक डॉ जगदीश चंद्र सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। दोनों वरिष्ठ चिकित्सकों के नेतृत्व में अस्पताल के शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुई अधीक्षक डॉ शीला कुमारी के कार्यकाल को अस्पताल के विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके कार्यकाल में डीएमसीएच में कई अहम सुधार और सुविधाओं का विस्तार किया गया। अधीक्षक पद संभालने के बाद उन्होंने न्यू सर्जिकल भवन में इमरजेंसी सहित कई विभागों को शिफ्ट कराया। इसके साथ ही नए ऑपरेशन थियेटर का संचालन शुरू किया गया। डॉ शीला कुमारी के कार्यकाल में अत्यंत जर्जर भवन में संचालित ब्लड बैंक को भी न्यू सर्जिकल बिल्डिंग में स्थानांतरित कराया गया। इसके अलावा लेप्रोस्कॉपी, ब्रोंकियोस्कोपी, अफेरेसिस और सीबीनेट जैसी आधुनिक मशीनों की शुरुआत से दूर-दराज से आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिली।

कामकाजी महिलाओं को मिलेगा फ्री हॉस्टल

पटना, एजेंसी। राज्य सरकार प्रदेश में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का संचालन शुरू करने जा रही है। इसके लिए पटना, गयाजी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और भागलपुर जिले का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री नारी सुरक्षा योजना के तहत बनने वाले इन छात्रावासों में दूसरे जिलों और राज्यों से आकर सरकारी-गैरसरकारी सेवा में कार्यरत महिलाओं को रहने के लिए सुरक्षित और सुलभ सुविधा मिलेगी। छात्रावास का लाभ लेने वाली महिला की मासिक आय अधिकतम 75 हजार प्रति माह होनी चाहिए। छात्रावास की छमता 50 बेड होगी। इसे 'अपना घर' की तर्ज पर तैयार महिला विकास निगम संचालन करेगा, ताकि महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक माहौल मिल सके। यह छात्रावास विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए बनाया गया है, जो राज्य में अकेले रहकर सरकारी नौकरी या अन्य सेवाओं में कार्य कर रही हैं। समाज कल्याण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, छात्रावास में रहने के लिए महिलाओं को

किराया नहीं देना होगा। उन्हें केवल भोजन का खर्च उठाना होगा जो तीन हजार रुपए प्रति माह तय की गई है। यहां बेड, टेबल, कुर्सी, 24 घंटे बिजली, शुद्ध पे जल के लिए आरओ, मनोरंजन के लिए टीवी, मुफ्त में वाई-फाई आदि की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी।

इच्छुक महिलाएं महिला एवं बाल विकास निगम के आधिकारिक पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगी। अगले माह छात्रावास पूरी तरह तैयार होने के बाद महिलाओं से आवेदन लिए जाएंगे। इसमें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवासन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके बाद काउंसलिंग प्रक्रिया होगी, जिसके आधार पर चयन किया जाएगा। इसके लिए पात्र महिला को जिले में कार्यरत होने से संबंधित दस्तावेज, पहचान पत्र, नियुक्ति पत्र पे-स्लिप, स्थानीय अभिभावक का पूर्ण विवरण, दिव्यांगता की स्तिथि में संबंधित प्रमाणपत्र आदि देना अनिवार्य होगा। कामकाजी महिला छात्रावास के संचालन को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी हो चुकी है। छात्रावास की अधीक्षक, सहायक अधीक्षक, रसोइया और अन्य आवश्यक कर्मियों का चयन किया जा चूका है। सभी संसाधनों की व्यवस्था पूरी होते ही अगले माह से छात्रावास का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। यह पहल मुख्यमंत्री नारी सुरक्षा योजना को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। सुरक्षित आवास मिलने से महिलाएं बिना किसी भय के नौकरी कर सकेंगी और उनकी आत्मनिर्भरता की राह और आसान होगी। साथ ही यह कदम राजधानी समेत अन्य जगहों पर महिला सुरक्षा और सामाजिक भरोसे को भी मजबूत करेगा। बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग की सचिव बंदना प्रेयषी ने कहा कि पटना के गोला रोड में छात्रावास का संचालन किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक महिलाएं जनवरी महीने से आवेदन कर सकेंगी।

संपादकीय

बंगाल में एसआईआर को लेकर बढ़ा विवाद

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से सवालों का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह देश के अन्य राज्यों में भी नए-नए रूप में सामने आ रहा है। कभी इस प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के दबाव का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी लाखों लोगों के मसविदा सूची से बाहर हो जाने को लेकर आशंकाओं का नगाड़ा पीटा जा रहा है।पश्चिम बंगाल में तो अब एक नई समस्या सामने आई है, जिसे चुनाव आयोग ने खुद स्वीकार करते हुए सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। आयोग का कहना है कि राज्य में वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है।इससे स्पष्ट है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया खामियों से रहित नहीं है। मगर, सवाल है कि इस तरह की व्यवस्थागत चूक से मतदाताओं को जो नाहक ही मानसिक और अन्य तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, उनकी भरपाई कैसे हो पाएगी? गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिहार से शुरू हुई थी। तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था।आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल कर दिया गया। इसके बावजूद बिहार में लाखों की संख्या में लोग मतदाता सूची से बाहर रह गए। यह सवाल अब दूसरे राज्यों में भी उठ रहा है, क्योंकि वहां भी बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं।हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से अंतिम सूची तैयार करने से पहले पात्र लोगों को अपना नाम जुड़वाने के लिए अवसर दिए जाएंगे, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार की तरह दूसरे राज्यों में भी लाखों लोग सूची से बाहर रह सकते हैं। इसमें एक सवाल आयोग की विश्वसनीयता को लेकर भी उठ रहा है, जिस कारण पश्चिम बंगाल में तो सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर मतदाताओं की पात्रता को सत्यापित करने की मुहिम शुरू कर दी है।

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विद्या भारती, शिक्षा भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की। यह समस्त संगठन आज शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति के संस्कारों को भारतीय युवाओं के बीच ले जाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं। 1952 में गोरखपुर में प्रारंभ हुए प्रथम विद्यालय के साथ विद्या भारती वर्तमान में 12,830 औपचारिक विद्यालय तथा 11,350 अनौपचारिक केंद्र के साथ कुल 24,180 प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित करती है जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या लगभग 34,48,000 तथा शिक्षकों की संख्या 150,000 है।

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

(प्रह्लाद सबनानी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टत- सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णत- गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णत- उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णत- अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णत- पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया। दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अतः वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंततः भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई। इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे। स्वयंसेवकों ने सरकारी कार्यों में और विशेष रूप से जवानों की मदद में पूरी ताकत लगा दी थी। सैनिक आवाजाही मार्गों की चौकसी, प्रशासन की मदद, रसद और आपूर्ति में मदद और यहां तक कि शहीदों के परिवारों की चिंता भी संघ के स्वयसेवकों ने की थी। संघ के इस महान योगदान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरु ने भी पहचाना था और 26 जनवरी 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण दिया था। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए महीनों की तैयारी की जाती है परंतु केवल 2 दिन पहिले मिले निमंत्रण पर संघ के 3,500 स्वयंसेवक गणवेश में गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए थे। वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके। युद्ध के इस कठिन समय में घायल जवानों को सबसे पहिले रक्तदान देने में भी संघ के स्वयंसेवक ही सबसे आगे रहे थे।

पूर्वोत्तर राज्यों में जबरदस्त गुस्सा, बनना चाहिए नस्लभेदी कानून

मैं भारतीय हूं... देहरादून में दम तोड़ने वाले त्रिपुरा के एंजेल चकमा के ये आखिरी शब्द हर भारतीय को झकझोरने वाले होने चाहिए। अपनी पहचान से संघर्ष करते हुए एक युवा को जान देनी पड़ी। यह शर्मनाक है कि देश के भीतर देश के ही कुछ हिस्सों के लोगों की भारतीयता पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।आपत्तिजनक कमेंट । 24 साल के एंजेल पिछले एक साल से देहरादून में रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। 9 दिसंबर को वह अपने भाई माइकल के साथ कुछ सामान लेने निकले थे, जब कुछ लड़कों ने उन पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। एंजेल ने जब विरोध किया कि 'हम चीनी नहीं हैं', तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस शुक्रवार को एंजेल ने दम तोड़ दिया, जबकि माइकल की हालत गंभीर है। 6 में से 5 आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं। इस घटना से त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में जबरदस्त गुस्सा है, और यह जायज भी है। अमेरिका, यूरोप या ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी अपराध होने पर जो देश विरोध जताता है, उसके भीतर ही कुछ तबकों में इतनी गहरी और खतरनाक नस्लीय सोच मौजूद है। इनके निशाने पर बार-बार पूर्वोत्तर के लोग आते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च ने 2021 में एक स्टडी के नतीजे जारी किए थे। तब सर्वे में शामिल पूर्वोत्तर के 78 प्रतिशत लोगों का मानना था कि उन्हें उनके चेहरे-मोहरे के कारण निशाना बनाया जाता है। यह बताता है कि लोगों में अपने ही देश के बारे में कितनी कम जागरूकता है। दूसरी बात, पूर्वोत्तर के लोगों को देश के कई हिस्सों में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसी हर घटना के बाद कड़ी कार्रवाई की बात की जाती है, लेकिन सवाल है कि क्या उनसे कोई सबक लिया जा रहा? 2014 में दिल्ली में अरुणाचल के छात्र नीडो टानिया को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई।

नया वर्ष: आत्ममंथन, संकल्प और मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा

(डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। नया साल एक नए सवेरे की तरह है, जो हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरुआत की संभावनाएं लेकर आता है। समय के साथ वह अपने चरम पर पहुंचता है और फिर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही क्रम एक निरंतर अनुभव है, जिसे इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति अनुभव करता है। यह निरंतरता ही प्रकृति और जीवन का परम सत्य है। नए वर्ष की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। नए साल की शुरुआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ.साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। यदि व्यक्ति अपने जीवन के आरंभ में ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो सफलता की दिशा स्वतः स्पष्ट हो जाती है। लक्ष्य हमें अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को नए वर्ष की शुरुआत में वर्ष भर के लिए कुछ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, ताकि आने वाले समय में वह अपने लक्ष्य के लिए किए गए सत्कर्मों और प्रयासों के माध्यम से निरंतर विकास करता हुआ अपने जीवन के चरम और शिखर तक पहुँच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते वर्षों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, साथ-साथ अनेक सफलताएँ भी पायी हैं। इन सफलताओं और उपलब्धियों में मोदी सरकार को अपनी गलतियों और कमियों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। बल्कि अपनी गलतियों और कमियों का मूल्यांकन करके भावी वर्ष के लिये रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि गलतियों और कमियों को सुधारकर अवसरों में बदला जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। 2026 में देश के 4 राज्यों- असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल तथा 1 केंद्र शासित प्रदेश- पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल प्रचार का ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भी चुनौती होगी। इसी क्रम में (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5962

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5961

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

आज का राशिफल

मेष

आज नया साल अपने परिवार के बीच किसी धार्मिक स्थल पर जाने के योग हैं। आज आपके अंदर खूब सारी एनर्जी और उत्साह का संचार होगा। छुट्टी के बावजूद आपका मन सभी कार्यों को निपटाने का करेगा। लेकिन, कार्यक्षेत्र में काम उतनी रफ्तार से हो नहीं पाएगा, जितना आप सोच रहे हैं। ऐसे में आपको सारी चीजें अपने कंट्रोल में लेनी पड़ सकती है।

वृष

आपको भाग्य कोई बड़ा मौका मिलेगा। आर्थिक लाभ भी आप आज पाएंगे। बिजनेस मे आपको लाभ का मौका मिलेगा। आप कोई नया काम भी आज शुरू कर सकते हैं। आपको अप्रत्याशित लाभ भी मिलेगा। आपको सरकारी क्षेत्र से फायदा मिल सकता है। आप प्रॉपर्टी और पूर्व में किए निवेश का लाभ ले पाएंगे। प्रेमी के साथ आपको वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

मिथुन

नया साल 2026 का दिन थोड़ा व्यस्त रहने वाला है। आपको कोई ज्यादा महत्वपूर्ण और जरूरी काम सौंपा जा सकता है या हो सकता है कि सौंप दिया हो। ऐसे में आपको बिना किसी सोच-विचार के अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा।

कर्क

आज नया साल आप अपने बीच में मनाने जा सकते हैं। समय की कमी के चलते आप पूरा समय नहीं दे पाएंगे।धन कमाने के लिए कई प्रकार के रास्ते आपके सामने आएंगे। हालांकि, सहयोगी और पार्टनर के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है। कमाई करने के लिए कोई भी रास्ता बुरा नहीं है। किसी भी प्रतियोगिता में हार जीत होती रहती है।

सिंह

आज के दिन आपका पारिवारिक जीवन सुखद और रोमांटिक रहेगा। आपको किसी पूर्व परिचित और मित्र से मिलने का मौका मिलेगा। आपके हाथों आज कोई शुभ काम भी हो सकता है। पर शेयर बाजार के चक्कर में पड़कर आपने काफी धन नष्ट कर दिया है। इस सोच के साथ आपको आगे बढ़ना होगा। वैवाहिक जीवन मे आपके प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

कन्या

आज साल का पहला दिन मंगलमय रहने वाला है। आपको लाभ और और सम्मान प्राप्त होगा। आप उत्साह से भरपूर रहेंगे। राजनीतिक क्षेत्र में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। आपको पिता और पिता पक्ष से लाभ मिलेगा। आपको बिजनेस में भाग्य लाभ दिलाएगा।

तुला

आज का दिन आपको सिख देने वाला रहेगा। दूसरे के अधिकार क्षेत्र में घुसकर अपना वर्चस्व कायम रखने की पुरानी आदत को बदलना होगा। नया साल का पहला दिन आपके कार्य में जल्दीबाजी के चलते लोगों के बीच में आपकी आलोचना भी हो सकती है। अच्छा अधिकारी बनने के लिए आपको पहले अच्छा कर्मचारी बनना होगा।

वृश्चिक

आज दिन आप पर किसी भारी काम का बोझ आ सकता है। इसके लिए आपको अपने काम से छुट्टी भी लेनी पड़ सकती है। अगर आप किसी उद्योग का संचालन कर रहे हैं तो छोटे कर्मचारियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना ना भूलें। नहीं तो आपको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। पारिवारिक जीवन में आपके प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

मकर

नया साल का पहला दिन आज सुबह से ही कुछ अजीब सा माहौल आपके आगे पीछे बना रहेगा। घर के दैनिक कार्य भी कुछ अड़चनों के बाद ही पूरे हो रहे हैं। काफी दिनों से व्यापार व्यवसाय की स्थितियां भी नाजुक चल रही हैं। व्यापार क्षेत्र में जो उतार चढ़ाव आया है वह सिर्फ आपके लिए ही नहीं है। किसी दूर रहने वाले सगे संबंधी से आपको खुशखबरी मिलेगी।

कुंभ

नया साल का पहला दिन सुखद और मनोरंजक रहेगा। आपको कल किसी अप्रत्याशित स्रोत से लाभ मिलेगा। आपको किसी मित्र या सहकर्मी से सहयोग मिलेगा। पूर्व अनुभव का भी आप आज लाभ ले पाएंगे। जो लोग होटल अथवा इवेंट मैनेजमेंट के काम से जुड़े हुए हैं उनको आज भाग्य कोई बड़ा लाभ दिला सकता है। संतान की ओर से मन प्रसन्न होगा। लव लाइफ में आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

धनु

आज का दिन आपके शुभ रहने वाला है। आज जातको के लिए आनंददायक रहेगा। आपका कामकाज अच्छा चलेगा। आपको आर्थिक लाभ का भी मौका मिलेगा। आप बिजनेस में खूब लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आप कोई नया काम भी शुरू कर सकते हैं। आपको कल लव लाइफ में प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आपको कोई गिफ्ट भी मिल सकता है।

मीन

आज का दिन भाग्यशाली रहेगा। आपको साल के पहले दिन अप्रत्याशित लाभ मिलेगा। आप नौकरी में सहयोग पाएंगे और आपको दोस्तों के साथ मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर भी जा सकते हैं। आपको आज प्रबंधन क्षमता का फायदा मिलेगा। आपको किसी सगे संबंधी से मिलने का मौका मिलेगा।

वर्ग पहेली 5962

संकेत: बाएं से दाएं
1. 9 मई 1966 को इस पसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी का जन्म हुआ था इन्हें महात्मा गांधी अपना राजनीतिक गुरू मानते थे (8)
7. भंडारघर, आला, संग्रहालय (3)
8. पतनकर्ता, आचार (3)
9. निम्न कुल, अकुलीन, कुलहीन (4)
11. विशाल, बड़ा, इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने तिहरी भूमिका निभाई थी (3)
13. यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है (2)
14. पुरूष, मर्द (2)
15. प्रगतिकर्ता, उन्नतिशील (2)
17. प्राचीनकाल से आता हुआ, परंपरागत (4)
18. भोजन आदि के लिए दिया गया निमंत्रण (3)
19. जो भाग्य में लिखा हो, जो दांव पर लगा हो (2)
20. ब्राह्मणों की दृष्टि से वह व्यक्ति जो उससे अपने धार्मिक कृत्य करवाता हो, यज्ञ कराने वाला (4)
21. ख्याति प्राप्त, जिसका यश हो (3)

ऊपर से नीचे
1. गोधुलि बेला, आरंभिक सांयकाल (8)
2. पालने वाला, फलों के पकाने की विधि (2)
3. अनियमित, अनित्य, बेतरतीबी (4)
4. नाथूराम गोडसे के छोटे भाई (सिर्फ आरंभिक नाम) जिन्हें महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास मिला था (3)
5. पत्र, चिट्ठी (2)
6. झील को अंग्रेजी में यह कहत है (2)
10. तीक्ष्ण, तेज (3)
12. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
13. भरण-पोषण, सहायता करने का भाव या क्रिया (5)
15. खटपट, उनाठनी, वैमनस्य (4)
16. हमेशा, प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज (2)

वर्ग पहेली 5961 का हल

गु	ज	रा	त		म	ना	ली
ल	य	का	री		द	ला	ल
द			का	न	न		ना
स्ता	व	क		का	मो	द	
	त	ल		र	ह	मा	न
सो	नी		यू	ना	न		क्ष
च		मु	नि			प	त्र
ना	ती		ट	प	क	ना	

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो, ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में खबर आई कि रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से बाहर हो गए हैं, लेकिन अभिनेता या प्रोडक्शन टीम ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं हाल ही में जानकारी आई है कि इस फिल्म के लीड हीरो के लिए तलाश शुरू हो चुकी है, जिसमें सबसे पहला नाम इस हैंडसम एक्टर का है।

रणवीर सिंह की जगह कौन?

एक खबर के अनुसार फिल्म के निर्माता डॉन 3 के लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वॉर 2 के हीरो ऋतिक को इस मशहूर डॉन फ्रेंचाइजी का नया चेहरा बनाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉन 3 के मुख्य अभिनेता को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

फरहान अख्तर की पहली पसंद ऋतिक थे

पिछले साल एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने बताया कि डॉन 2 के लिए उन्होंने पहले ऋतिक रोशन से वादा किया था। फरहान और ऋतिक ने साथ में फिल्म लक्ष्य की थी, इसलिए फरहान ने ऋतिक को स्क्रिप्ट सुनाने का प्लान बनाया। लेकिन स्क्रिप्ट लिखते समय फरहान को लगा कि यह रोल शाहरुख खान के लिए ज्यादा सूट करेगा। फरहान ने ऋतिक को फोन करके यह बात बताई। ऋतिक ने बहुत अच्छे से कहा, फरहान, तुम अपनी बेस्ट फिल्म बनाओ। अगर शाहरुख सही लग रहे हैं, तो उनसे करो। मेरी चिंता मत करो। फरहान ने इसे बहुत विनम्र व्यवहार बताया।

रणवीर सिंह के डॉन 3 से बाहर होने की खबरें आने के बाद अफवाहें उड़ीं कि उनकी फिल्म धुरंधर की सफलता के कारण ऐसा हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि निर्माताओं से मांगों पर मतभेद हुआ, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग में देरी हो सकती है।

शिल्पा शिंदे के बाद 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में सौम्या टंडन की वापसी? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शुमार 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर सुर्खियों में है। शो के नए वर्जन 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इसी के साथ सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या शो की पहली 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट सकती हैं। अब इन कयासों पर खुद सौम्या टंडन ने चुप्पी तोड़ी है। सौम्या ने अटकलों पर लगाया विराम शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद से ही फैंस पुराने किरदारों को फिर से देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासतौर पर सौम्या टंडन, जिन्होंने अनीता नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी, उनकी वापसी की खबरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि, इन अटकलों पर विराम लगाते हुए सौम्या ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस शो का हिस्सा बनने नहीं जा रही हैं। सौम्या टंडन ने दिया जवाब जूम टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान सौम्या टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर में आगे बढ़ चुकी हैं और इस समय दूसरे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, जब वह किसी नए रास्ते पर आगे बढ़ चुकी हैं, तो पुराने शो में वापसी का सवाल ही नहीं उठता। गौरतलब है कि सौम्या टंडन ने साल 2020 में 'भाबीजी घर पर हैं' को अलविदा कह दिया था। उनके जाने के बाद शो में अनीता भाभी के किरदार को पहले नेहा पेंडसे ने निभाया और फिर विदिशा श्रीवास्तव इस रोल में नजर आईं। हालांकि, सौम्या की लोकप्रियता ऐसी रही कि आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार में याद करते हैं।

धुरंधर में नजर आईं सौम्या टंडन

टीवी के अलावा सौम्या टंडन ने अब फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर' में नजर आईं, जहां उन्होंने अक्षय खन्ना के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनके अभिनय को सराहा गया। सौम्या ने यह भी संकेत दिया कि फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' में उनकी भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्योंकि कहानी के अनुसार उनके किरदार की मौत पहले ही हो चुकी है। हालांकि, दर्शकों को उनकी झलक जरूर देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी, जिसमें रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। पहले पार्ट को रिलीज हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

'इक्कीस' के लिए क्यों रिजेक्ट हुए वरुण धवन? अगस्त्य नंदा कैसे बने पहली पसंद

'इक्कीस' की रिलीज से पहले इसके डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। हालिया दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वरुण धवन भी फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए एक्साइटेड थे लेकिन एक वजह से उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। साथ ही डायरेक्टर ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के रोल में अगस्त्य नंदा को ही क्यों कास्ट किया गया।

इस वजह से रिजेक्ट हुए वरुण धवन

हाल ही में 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में श्रीराम राघवन कहते हैं, 'वरुण धवन फिल्म 'इक्कीस' के लिए एक्साइटेड थे। हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन जब तक शुरुआती स्क्रिप्टिंग पूरी हुई, कोविड आ गया और प्लान बदल गए। जैसे-जैसे स्क्रिप्ट आगे बढ़ी, हमें अहसास हुआ कि कहानी के लिए एक्टर की उम्र एक अहम फैक्टर है। कुछ सीन में लीड कैरेक्टर अरुण खेत्रपाल सिर्फ 19 साल के हैं। ऐसे में हमें फिल्म की कहानी के लिए एक नए चेहरे की जरूरत थी।'

क्यों चुने गए अगस्त्य नंदा?

डायरेक्टर श्रीराम राघवन बताते हैं कि जब अगस्त्य नंदा को कास्ट किया गया था, तब वह 21 साल के थे, जिससे वह रोल के लिए ज्यादा सही लगे। साथ ही डायरेक्टर ने कहा कि अगस्त्य नंदा में एक और खासियत थी, जिसे वजह से वह सेलेक्ट हुए। श्रीराम राघवन कहते हैं, 'मुझे उनकी आंखों में मासूमियत दिखती थी।'

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

रश्मिका ने फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी सफलता का श्रेय फैंस को दिया?

रश्मिका मंदाना ने फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने खास लोगों के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया। उन्होंने अपने पूरे सफर में मिले प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे होने पर अपने फैंस और सभी शुभचिंतकों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 9 साल, अभी भी विश्वास नहीं हो रहा। 26 फिल्मों के बाद मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने काम पर नहीं, बल्कि इस सफर में मिले परिवार पर है। सारा प्यार, धैर्य, विश्वास और हर छोटा-बड़ा पल, ये सब मेरे दिल को खुशी से भर देते हैं।

फैंस को दिया सफलता का क्रेडिट

रश्मिका ने आगे लिखा, आज आपके मैसेज और पोस्ट पढ़कर दिल बहुत खुश हुआ। हर मुश्किल और खुशी के समय में साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आपकी वजह से ही यहां तक पहुंची। मुझे वैसी ही स्वीकार करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। हमारा रिश्ता अब सिर्फ एक्टर-फैन से बहुत आगे का है। आप मेरे लिए परिवार जैसे हैं। उम्मीद है ये रिश्ता हमेशा बना रहे और मैं आगे भी अच्छा काम करती रहूं। आप सबके लिए ढेर सारा शुक्रिया। आपकी रश्मिका।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना नई फिल्म मैसा में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 'मैसा' का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

'हाउसफुल 5' और 'धुरंधर' की आलोचनाओं पर चित्रांगदा ने कहा...

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' की महिला किरदारों को अजब तरह से दिखाने को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। फिल्म में महिला किरदार को सिर्फ एक ऑब्जेक्ट के तौर पर दिखाया गया था और उनके कई भद्दे सीन भी थे। कई लोगों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए चुटकुले ज्यादातर महिलाओं के शरीर पर ही टिप्पणियां थीं। इन आलोचनाओं पर अब फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

सीन को पर्दे पर दिखाना निर्देशक का काम

बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने फिल्म की आलोचनाओं को लेकर कहा कि जब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो उन्होंने उन पर गौर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब आप स्क्रिप्ट सुनते हैं, तो आपको शॉट ब्रेकडाउन नहीं बताया जाता। आप सिर्फ उतना ही कल्पना कर पाते हैं, जितना स्क्रिप्ट में लिखा होता है। इसके अलावा किसी सीन को पर्दे पर कैसे दिखाया जाए, यह निर्देशक ही तय करता है। आगे महिलाओं की भूमिकाओं को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अक्सर मजबूत भूमिकाएं मिलने से पहले ग्लैमरस भूमिकाओं में खुद को साबित करना पड़ता है। हालांकि, मैं इनमें से किसी भी बात को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपने अभिनय पर एक सीमित नियंत्रण होता है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी देखना थोड़ा अनकंफर्टेबल लगता है।

काफी पेचीदा है कॉमेडी

कॉमेडी को पेचीदा बताते हुए चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी चुटकुले लोगों को हंसाते हैं और वे हंसते हैं। कभी-कभी नहीं हंसते। जब चुटकुले असरदार नहीं होते, तभी लोग आलोचना करने लगते हैं। जिम कैरी और एडी मर्फी जैसे अभिनेताओं की फिल्मों में भी बोल्ड फिजिकल कॉमेडी थी और लोगों ने उन्हें पसंद किया। ऐसे सीन पहले भी हुआ करते थे।

'धुरंधर' को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ हिंसात्मक सीन वाली फिल्म के रूप में देखते हैं, लेकिन यही तो कहानी कहने का तरीका है। हर जॉनर की अपनी एक अलग स्टाइल होती है। मैं इस पर कोई राय नहीं देती। यह दर्शकों और उनके विवेक के ऊपर है कि वे फिल्म देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। कभी-कभी हम कुछ ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही नजरिये से देखना चाहिए और इसे कुछ सिनेमाई छूट देनी चाहिए।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी चित्रांगदा

वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 में चित्रांगदा की चार फिल्में रिलीज हुईं। इनमें परिक्रमा, हाउसफुल 5, खाकी- द बंगाल चैप्टर और रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स शामिल हैं। हालांकि, 'हाउसफुल 5' को छोड़कर बाकी सारे प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर ही रिलीज हुए। वो आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म में 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर' में नजर आई थीं। अब वो सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवां' में दिखाई देंगी।

संक्षिप्त समाचार

अब फाइलों के साथ-साथ पढ़ना होगा क्रिमिनल लॉ

बरेली, एजेंसी। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत पीसीएस अधिकारियों को क्रिमिनल लॉ, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, आरटीआई, साइबर सिक्योरिटी जैसे छह पाठ्यक्रम पूर्ण करना है। इस संबंध में विशेष सचिव विनीत प्रकाश ने सभी जिलों को पत्र जारी किया है। पत्र के बाद डीएम ने एडीएम एफ/आर को संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। मिशन कर्मयोगी के आईजीओटी पोर्टल पर उत्तर प्रदेश प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों के लिए जीरो से 9, 9 से 16 और 16 से 25 वर्ष की सेवा अवधि के अनुसार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। हर अधिकारी को छह पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है। इनमें तीन पाठ्यक्रम कंपलसरी कोर्स की श्रेणी में रखे गए हैं। ऑप्शनल कोर्स कैटेगरी में रखे पाठ्यक्रमों में किन्हीं तीन को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना है। विशेष सचिव विनीत प्रकाश ने उनकी सूची जारी की है। सूची में प्रत्येक विषय के अंतर्गत अंकित उप विषयों में से कम से कम एक उप विषय पर आधारित पाठ्यक्रम को उसकी उपयोगिता के आधार पर पूर्ण किया जाना है। डीएम को भेजे पत्र में पीसीएस कार्यकारी शाखा के समस्त अधिकारियों को उनकी सेवा अवधि के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कहा गया है। डीएम ने एडीएम को इस संबंध में निर्देशित किया है। क्रिमिनल लॉ का भी पढ़ना होगा पाठ शून्य से 9 वर्ष की सेवा अवधि वाले अधिकारियों के क्रिमिनल लॉ, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट और राइट टू इनफार्मेशन का कोर्स अनिवार्य है।

नमो भारत ट्रेन में संबंध बनाने वाले जोड़े की हुई सगाई

गाजियाबाद, एजेंसी। नमो भारत ट्रेन में संबंध बनाने और अश्लील हरकतें करने वाले गाजियाबाद के मोदीनगर निवासी छात्र-छात्रा की उनके परिजनों ने सगाई करा दी है। शादी

का मुहूर्त शुरू होते ही दोनों वैवाहिक बंधन में बंध जाएंगे। ट्रेन के अंदर दोनों का आपत्तिजनक स्थिति के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया था। बीते 20 दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक मिनट से 3 मिनट तक के 4 वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। ये वायरल वीडियो नमो भारत ट्रेन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के थे। छात्र और छात्रा गाजियाबाद जनपद के अलग-अलग कॉलेजों से बीटेक और बीसीए कर रहे हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद परिजनों ने दोनों को कहीं बाहर भेज दिया था। समाज में बदनामी के डर से दोनों के परिवार भी अलग-थलग हो गए। दोनों परिवारों से जुड़े लोगों ने बताया कि छात्र-छात्रा की सगाई कर दी गई है। मुहूर्त शुरू होते ही शादी की रस्म पूरी कर दी जाएगी। दूसरी ओर, पुलिस ने सगाई की जानकारी से इनकार किया है। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। नमो भारत ट्रेन में अश्लील हरकत का वीडियो वायरल होने के सिलसिले में गाजियाबाद के मुरादनगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया था कि वायरल सीसीटीवी फुटेज 24 नवंबर को दुहाई से मुरादनगर स्टेशन तक की यात्रा के दौरान के हैं, जिसमें दुहाई स्थित एक संस्थान के छात्र और छात्रा आपत्तिजनक हरकतें करते दिखाई दे रहे हैं और पास की सीटें खाली हैं। पुलिस ने बताया था कि सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की। मुख्य सुरक्षा अधिकारी दुष्यंत कुमार ने ट्रेन ऑपरेटर ऋषभ कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया कि ऋषभ कुमार ने ट्रेन के सीसीटीवी फुटेज का दुरुपयोग करते हुए अपने मोबाइल फोन से अवैध तरीके से वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सार्वजनिक कर दिया, जिससे कथित रूप से नमो भारत सेवा की छवि खराब हुई है।

कांग्रेस सरकार के ही सर्वे ने राहुल के दावों को झुठलाया

कर्नाटक के 91% लोगों को चुनावों की निष्पक्षता पर भरोसा

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा कराए गए एक आधिकारिक सर्वे के नतीजों ने देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर चल रही बहस को एक नया मोड़ दे दिया है। सर्वे के अनुसार, कर्नाटक की जनता का एक बड़ा हिस्सा ईवीएम को सुरक्षित और सटीक मानता है। इन नतीजों के सामने आने के बाद भाजपा ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' वाले आरोपों को लेकर कांग्रेस पर हमला तेज कर दिया है। इस सर्वे को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वी. अनबुकुमार के माध्यम से कराया गया था। इसमें 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 लोगों की राय ली गई। सर्वे में शामिल कुल 83.61% लोगों ने कहा कि वे ईवीएम को भरोसेमंद मानते हैं। 69.39% लोग इस बात से सहमत थे कि ईवीएम सटीक परिणाम देती है, जबकि 14.22% ने इस पर अपनी 'पूर्ण सहमति' जताई। ईवीएम को लेक कलबुर्गी में सबसे ज्यादा भरोसा देखा गया, जहां 94.48 लोग वोटिंग मशीन के पक्ष में थे। मैसूर में 88.59% लोगों ने इसकी विश्वसनीयता पर मुहर लगाई। बेंगलुरु में भी 63.67% लोग इससे सहमत थे। सर्वे के नतीजे सार्वजनिक होते ही भाजपा ने इसे कांग्रेस के लिए शर्मिंदगी का विषय बताया। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सालों से राहुल गांधी देश भर में एक ही कहानी सुना रहे हैं कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है और ईवीएम अविश्वसनीय हैं। लेकिन खुद कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार के सर्वे ने एक अलग कहानी बयां की है। यह कांग्रेस के मुंह पर तमाचा है।

'भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल हारने पर संस्थाओं पर सवाल उठाती है और जीतने पर उसी सिस्टम का जश्न मनाती है। उन्होंने इसे सुविधा की राजनीति करार दिया।

यह सर्वे ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को बैलेट पेपर से कराने का प्रस्ताव दिया है। सरकार का तर्क है कि जनता का ईवीएम से भरोसा कम हो रहा है। भाजपा ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि जब उनका अपना सर्वे जनता का भारी भरोसा दिखा रहा है, तो सरकार राज्य को पीछे की ओर क्यों ले जा रही है? भाजपा के अनुसार, बैलेट पेपर की वापसी चुनाव में हेरफेर और देरी की कोशिश है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बीते काफी समय से ईवीएम की पारदर्शिता पर सवाल उठाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भी उन्होंने 'ब्लैक बॉक्स' और 'वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की आलोचना की थी।

माओवादी संगठन के शीर्ष नेता छत्तीसगढ़ के बारसे देवा ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर, एजेंसी।
नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में सुरक्षाबलों को गुरुवार को उस वक्त एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली, जब छत्तीसगढ़ के रहने वाले माओवादी संगठन के शीर्ष नेता बारसे देवा उर्फ सुक्का ने तेलंगाना में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सूत्रों के अनुसार वह फिलहाल तेलंगाना पुलिस की हिरासत में है, हालांकि राज्य पुलिस अधिकारियों ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बारसे देवा पर 50 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस की ओर से एक-दो दिनों के भीतर इस संबंध में औपचारिक घोषणा किए जाने की संभावना जताई जा रही है। बारसे देवा छत्तीसगढ़ के ग्राम पुर्वर्थी का निवासी है, यहीं के वांछित नक्सली माडवी हिड़मा को आंध्र प्रदेश पुलिस ने एलुरु सीथारामराजू जिले में मुठभेड़ में मार गिराया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा ने बताया- 'संभवतया बारसे देवा तेलंगाना पुलिस के पास है।' सूत्रों के

मुताबिक बारसे देवा ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में आत्मसमर्पण को लेकर लंबे समय तक विचार-विमर्श किया था। अंततः कोठागुडेम जिला पुलिस की निगरानी में उसे तेलंगाना लाया गया, जहां उसने आत्मसमर्पण किया। छत्तीसगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया कि बारसे देवा ने हिड़मा के एनकाउंटर से पहले ही आत्मसमर्पण का निर्णय ले लिया था, लेकिन हिड़मा के मारे जाने के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आई।

लखनऊ में स्मारक के सफाई कर्मी ने दर्जनों को ठगा

साथ काम करने वालों को बच्चों की नौकरी का दिया लालच

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के लखनऊ में बसपा शासन काल में बने स्मारकों और पार्कों की सफाई के लिए भर्ती हुए एक सफाई कर्मी ने दर्जनों लोगों को ठगा है। इसमें से 9 तो उसके साथ काम करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ही हैं। किसी को उसने उनके बच्चों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगा तो किसी का तबादला मनचाही जगह कराने का आश्वासन दिया। किसी को ज्यादा वैल्यू का क्रेडिट कार्ड दिलाने के नाम पर तो किसी को उसकी सीट सुरक्षित रखने के नाम पर। अब पता चला कि उसने केवल स्मारक समिति के ही नौ कर्मचारियों से 60.30 लाख रुपए की ठगी है।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने सैण्ड स्टोन ग्राइंडर व सफाई कर्मी विनय द्विवेदी को सस्पेंड कर दिया है। विनय द्विवेदी पहले अम्बेडकर स्मारक के बाह्य क्षेत्र में तैनात था। दिसम्बर में ही उसका तबादला यहां से हटाकर रमाबाई क्षेत्र में किया गया। स्मारक समिति में अपनी पहचान और पहुंच का हवाला देकर कर्मचारियों को उनके बच्चों को नौकरी और मनचाही जगह ट्रांसफर का भरोसा दिया।

ठगी के शिकार कर्मचारी: राधेश्याम बिंद- 16 लाख, मुमताज अहमद- 7 लाख, अमरीश कुमार भारती- 5 लाख, राज नारायण- 7 लाख, रमेश कुमार सिंह- 3 लाख, शबाना- 1 लाख, आलोक कुमार- 9 लाख, लक्ष्मीधर- 6 लाख, जय प्रकाश- 6 लाख।

पीड़ितों ने वापस पैसे मांगे तो उनको धमकाया: जांच में सामने आया है कि यह ठगी किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रही। कई कर्मचारियों से चरणबद्ध तरीके से रकम ली गई। जब पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे तो उनके साथ गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। धमकाया भी।

वीसी ने की कड़ी कार्रवाई: एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने मामले को गंभीर मानते हुए सफाई कर्मी को निलंबित कर दिया है। उनका कहना है कि इस कृत्य से स्मारक, संग्रहालय, पार्क और उपवनों की प्रबंधन, सुरक्षा एवं अनुरक्षण समिति की छवि धूमिल हुई है। जांच पूरी होने के बाद दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

जयपुर में पुलिस पर पथराव करने वालों के घर चला बुलडोजर

जयपुर, एजेंसी।
जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। चौमूं के इमाम चौक इलाके में स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

दरअसल, कुछ दिन पहले चौमूं में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गया। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की और नगर परिषद ने अवैध निर्माणों की जांच तेज कर दी। प्रशासन के मुताबिक, इमाम चौक क्षेत्र में लंबे समय से सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के बाद नगर परिषद ने 19 से 20 लोगों को नोटिस जारी किए थे, जिनमें निर्धारित समय सीमा में जवाब देने और स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस की मियाद पूरी होने के बाद गुरुवार को प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'जो गलत है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हम नगर परिषद के साथ मौके पर मौजूद हैं। नगर परिषद ने अतिक्रमण की पहचान की है और उसी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई

पूरी तरह कानून के दायरे में की जा रही है और किसी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा।

जयपुर पश्चिम के एडीसीपी राजेश गुप्ता ने बताया कि नगर परिषद द्वारा चिन्हित सभी अवैध निर्माणों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'नगर परिषद ने करीब 19-20 नोटिस जारी किए थे। जिन लोगों ने नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया, उनके खिलाफ अब कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पहले जिन लोगों ने माहौल बिगाड़ने और पुलिस पर पथराव करने में भूमिका निभाई थी, उनके अवैध निर्माण भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं।' कार्रवाई के दौरान इमाम चौक और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी रखी गई ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई किसी एक समुदाय या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ है। अधिकारियों के मुताबिक, नगर परिषद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और जहां-जहां अवैध निर्माण पाए जाएंगे, वहां कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि लंबे समय से इमाम चौक क्षेत्र में अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे थे, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही थी।

कर्नाटक में बैनर विवाद बना खूनी संघर्ष, दो विधायकों के समर्थक भिड़े, गोलीबारी के बीच 1 की मौत

बल्लारी, एजेंसी।
कर्नाटक के बल्लारी जिले में शुक्रवार को वाल्मीकि समुदाय की एक प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है और पुलिस ने एहतियातन बड़े जमावड़े पर रोक लगा दी है। विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और बीजेपी नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलीखान और सोमशेखर रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ वाल्मीकि बैनर फाड़ने के आरोप में ब्रूसपेट पुलिस स्टेशन में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह झड़प तब शुरू हुई जब कांग्रेस कार्यकर्ता विधायक भारथ रेड्डी के समर्थन में बैनर लगाने पहुंचे। आरोप है कि ये बैनर केआरपीपी विधायक जनार्दन रेड्डी के घर के सामने लगाए जाने थे, जिस पर जनार्दन रेड्डी समर्थकों ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो पथराव में बदल गई। घटना के दौरान गोली चलने की आवाजें भी सुनाई दीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भारथ रेड्डी के करीबी सहयोगी सतीश रेड्डी मौके पर पहुंचे थे, जिनके साथ मौजूद एक सुरक्षाकर्मी ने कथित तौर पर हवा में दो राउंड फायर किए। इसी अफरातफरी में राजशेखर नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसे कांग्रेस समर्थक बताया जा रहा है। घटना को लेकर भारथ रेड्डी ने अपने विधायक पर निजी हथियारबंद सुरक्षाकर्मी लाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया- जैसे ही उन्हें पता

चला कि मैं अपनी कार से उतरकर वहां पहुंचा हूं, फायरिंग शुरू कर दी गई। यह मुझे खत्म करने की साजिश लगती है। ये अपराधी हैं जो भारथ रेड्डी से जुड़े हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री और भाजपा नेता बी. श्रीरामुलु भी मौके पर पहुंचे। पुलिस का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। वहीं जनार्दन रेड्डी ने कांग्रेस ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा- बैनर सार्वजनिक सड़क पर लगाए गए थे, जैसे शहर के अन्य हिस्सों में लगाए जाते हैं। वाल्मीकि समुदाय के समर्थकों को बैनर लगाने से हम कैसे रोक सकते हैं? यह कार्यक्रम दलों से ऊपर है। लेकिन कुछ लोग बल्लारी की शांति भंग करना चाहते हैं। यह पूरी तरह राजनीतिक साजिश है।

बेंगलुरु में अवैध रॉक ब्लास्टिंग से चार तेंदुओं की मौत के बाद हड़कंप

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में हाईवे पर चार तेंदुओं की मौत के बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक मादा तेंदुआ और उसके तीन अजन्मे शावकों की बसवनतारा जंगल इलाके में मौत की वजह, इलाके में हो रही अवैध रॉक ब्लास्टिंग थी। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने गुरुवार को इस मामले में व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। इससे पहले बेंगलुरु सिटी डिवीजन के कग्गलीपुरा रेंज में फॉरेस्ट ऑफिसर्स को रूटीन गश्त के दौरान एक तेंदुए का शव मिला। वहीं बाद में पता चला कि मादा तेंदुआ के गर्भ में तीन अन्य शावक भी थे। इसके बाद आस-पास के खदानों से यहां रहने वाले जानवरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वन मंत्री खंड्रे ने मामले पर संज्ञान लेते हुए एक बयान में कहा, 'कग्गलीपुरा रेंज के बसवनतारा जंगल इलाके में गश्त के दौरान, 27 दिसंबर, 2025 को सर्वे नंबर : 51 में एक तेंदुए का शव मिला। शुरुआती जांच में पता चला कि 3-4 साल की मादा तेंदुए की मौत दो से तीन दिन पहले हुई थी। पोस्टमॉर्टम जांच में उसके पेट में तीन शावक भी मिले।' उन्होंने कहा कि शुरुआती नतीजों से पता चला है कि तेंदुए की मौत पास की खदान में किए गए भारी रॉक ब्लास्टिंग के असर से हुई होगी। मंत्री ने कहा, 'यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तेंदुए की मौत पास की खदान से बड़े पत्थरों की ब्लास्टिंग के कारण हुई और इस संबंध में एक एफआईआर दर्ज की गई है। फॉरेस्ट मिनिस्टर ने यशवंतपुर के विधायक एस टी सोमशेखर के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

चिट्टा से निपटने के लिए हिमाचल सरकार ने बनाई 3-चरणीय योजना, मुख्यमंत्री सुक्खू ने बताया प्लान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य में 'चिट्टा' या हेरोइन ड्रग के बढ़ते चलन और असर को रोकने के लिए तीन-चरणीय एक्शन प्लान पर जोर दिया है। सीएम सुक्खू ने गुरुवार को कहा पहला कदम जागरूकता बढ़ाना है, उसके बाद सख्त कार्रवाई करना और अगर कोई नशे का आदी पाया जाता है, तो उसे प्रोफेशनल इलाज देना है, ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जा सके।

उन्होंने बताया, 'पंजाब से सटे बॉर्डर पर चिट्टा (हेरोइन ड्रग) का असर बढ़ रहा था, इसलिए हमने तीन तरह के कदम उठाए। पहला कदम - लोगों में जागरूकता बढ़ाना... दूसरा, ड्रग सप्लायरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और तीसरा, अगर कोई चिट्टा का आदी हो गया है, तो हम इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हैं, उन्हें अपराधी न समझें बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाएं... ' इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी अवैध ड्रग्स के धंधे में शामिल पाया जाता है तो सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। वहीं, हिमाचल में बादल फटने सहित कई प्राकृतिक आपदाओं पर बोलते हुए सीएम सुक्खू ने चेतावनी दी कि ऐसी प्राकृतिक आपदाएं दूसरे पहाड़ी इलाकों में भी आएंगी। उन्होंने इस पर वैज्ञानिक रिसर्च करने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'हमें वैज्ञानिक अध्ययन करने की जरूरत है, लेकिन क्लाइमेट चेंज का असर हिमाचल प्रदेश में जरूर शुरू हो गया है। धीरे-धीरे इसका असर दूसरे पहाड़ी राज्यों और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों और पूरे देश में भी दिखेगा। मैंने अपने जीवन में बादल फटने की इतनी सारी घटनाएं नहीं देखीं।

गडकरी के गढ़ में बगावत, नागपुर में कई भाजपा नेता पार्टी के ही खिलाफ

नागपुर , एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के वर्षों से 'वफादार' कई कार्यकर्ताओं ने टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी है और अब आगामी नागपुर महानगरपालिका चुनाव निर्दलीय लड़ने का फैसला किया है। उनका कहना है कि पार्टी से लंबे समय से जुड़े कार्यकर्ताओं को टिकट न देने और उनकी जगह दलबदलुओं या बाहरी लोगों को टिकट देने से पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष फैल गया है और इसके चलते नागपुर में उनके इस्तीफे हुए हैं। नागपुर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृह क्षेत्र है।

नागपुर समेत महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। नागपुर नगर निगम में 151 सीट हैं। भाजपा 143 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि शिवसेना आठ सीट पर चुनाव लड़ रही है। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 90 से अधिक सीट पर चुनाव लड़

रही है। कांग्रेस बिना किसी गठबंधन के सभी 151 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) 79 सीट पर चुनाव लड़ रही है। विनायक देहांकर को वार्ड 17 से टिकट नहीं दिया गया, जिसके चलते उन्होंने इस्तीफा दे दिया और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरे। हालांकि, उनकी पत्नी ने इस फैसले का विरोध किया और कहा कि वह केवल भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी और अपने पति का समर्थन नहीं करेंगी। एक टीवी चैनल से विनायक देहांकर ने कहा कि वह पिछले कई वर्षों से इस वार्ड और निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हालांकि यह कांग्रेस का गढ़ था, फिर भी उन्होंने इस वार्ड में भाजपा को आगे बढ़ाने में मदद की। उन्होंने कहा, 'पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुझे आश्वासन दिया था कि वार्ड 17 में उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप देते समय पार्टी मेरे नाम पर विचार करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' उन्होंने कहा, 'अगर पार्टी के किसी युवा कार्यकर्ता को टिकट दिया जाता तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन टिकट स्थानीय सदस्य को न देकर बागी सदस्यों (कांग्रेस से आए सदस्यों को और अन्य वार्ड के सदस्यों) को दिए गए। यह बहुत निराशाजनक था। इसलिए मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया।' उन्होंने कहा, 'मैंने भारी मन से भाजपा से इस्तीफा दिया।' विनायक ने कहा कि उनकी पत्नी (भाजपा की राज्य पदाधिकारी) उनके इस फैसले से नाराज हैं। इसी तरह, वार्ड 16 (डी) में वार्ड अध्यक्ष गजानन निशितकर को पार्टी द्वारा टिकट देने से इनकार किए जाने के बाद लगभग 80 भाजपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड अध्यक्ष गजानन निशितकर सहित इस्तीफा दे दिया।

पाकिस्तानी टीम की कोचिंग छोड़ने पर गिलेस्पी ने चुप्पी तोड़ी

कहा- पीसीबी ने मुझे अपमानित किया; 9 महीने के अंदर छोड़ा था पद

करांची (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज और कोच जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट कोच पद से इस्तीफा देने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने यह जिम्मेदारी 9 महीने से भी कम समय में छोड़ दी थी। गिलेस्पी का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कुछ फैसलों और उनके साथ किए गए व्यवहार की वजह से उन्हें खुद को अपमानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्हें कोच पद छोड़ने का फैसला करना पड़ा। गिलेस्पी का कहना है कि उन्होंने टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के रवैये और अंदरूनी कामकाज के कारण पद छोड़ा। गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट का हेड कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2024 में ही इस पद से इस्तीफा दे दिया था। शान मसूद के साथ जेसन गिलेस्पी (दाएं)। गिलेस्पी अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक पाकिस्तान के टेस्ट टीम के हेड कोच थे।

एसए20 में पहली बार सुपर ओवर

जॉबर्ग सुपर किंग्स की जीत, डरबन को 5 रन पर रोका

वांडरर्स (एजेंसी)। एसए20 लीग में गुरुवार, 1 जनवरी को वांडरर्स स्टेडियम में जॉबर्ग सुपर किंग्स और डरबन सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जॉबर्ग ने सुपर ओवर में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जॉबर्ग सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 205 रन बनाए। कप्तान फाफ डु प्लेसिस (30 गेंद, 47 रन) और मैथ्यू डी विलियर्स (26 गेंद, 38 रन) ने 8.4 ओवर में 89 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शुभम रंजन ने 31 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने डोनोवन फरेरा के साथ 16 गेंदों में 49 रन की नाबाद साझेदारी की। फरेरा ने 10 गेंदों में 33 रन ठोके। दूसरी ओर, डरबन के लिए नूर अहमद और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी ने 8 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए। नूर अहमद ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट झटके।

डरबन सुपर जायंट्स की ओर से बड़ी साझेदारी नहीं हुई - 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन सुपर जायंट्स की शुरुआत ठीक रही, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। कप्तान एडन मार्करम (30 गेंद, 37 रन) और एवन जोन्स (17 गेंद, 43 रन) ने 24 गेंदों में 60 रन जोड़कर मुकाबला बराबरी की ओर ले गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

मेलबर्न, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन 45 साल की वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। 2021 के बाद यह मेलबर्न पार्क में उनकी पहली मौजूदगी होगी और 2023 के बाद यह पहली बार होगा जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के बाहर खेलेंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनेंगी। इससे पहले जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड टूट जाएगा, जो 44 साल की थीं जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2015 के पहले राउंड में हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया वापस आकर बहुत खुश हूं और ऑस्ट्रेलियन गर्मियों में मुकाबला करने का इंतजार कर रही हूं। वहां मेरी बहुत सारी शानदार यादें हैं, और मैं उस जगह पर लौटने के मौके के लिए शुक्रगुजार हूं जो मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखती है। 16 महीने के ब्रेक के बाद, वीनस पिछले जुलाई में टेनिस में लौटीं और 2025 में तीन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में पहले राउंड में हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया, इससे पहले वह मैग्डेलेना फ्रेच से हार गईं।

कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हारी

अगस्त में, विलियम्स सिनसिनाटी के पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बौज़ास-मनेरो से 4-6, 4-6 से हार गईं और यूएस ओपन के पहले राउंड में 11वीं सीडेड कैरोलिन मुचोवा को तीन सेट तक ले गईं। डबल्स में, लेयला फर्नांडीज के साथ खेलते हुए, विलियम्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, जहां वे फाइनलिस्ट कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हार गईं।

शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा, 'वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को वैश्विक स्टेज पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने का हौसला और मौका देने के सपने के साथ लौटा हूं।' मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच रह चुके हैं। हॉलैंड के शोर्ड मारिन 14 जनवरी को भारत आएंगे।

नेशनल कोचिंग कैंप 19 जनवरी को साई, बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। हेड कोच के तौर पर मारिन की पहली बड़ी चुनौती हैदराबाद में होने वाली हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर होगा, जो 8-14 मार्च, 2026 तक होने वाला है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम शोर्ड मारिन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का इंडियन हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और साई का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने नियुक्ति में तेजी लाई ताकि आने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम की तैयारियों में कोई रुकावट न आए। उन्होंने आगे कहा, 'टीम की फिटनेस पर जोर दिया गया है, जो टोक्यो में इंडियन विमेंस के ऐतिहासिक प्रदर्शन का एक मुख्य कारण था। हम एक अच्छे समय की उम्मीद करते हैं। शोर्ड मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला मदद करेंगे। डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर भारतीय महिला कोचिंग सेटअप में लौट रहे हैं। उन्हें साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में रोडेट विला और सियारा विला का सपोर्ट मिलेगा। मटियास विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं। 1997 में डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और लगभग दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए यह हो सकती है भारत की वनडे टीम

कप्तान शुभमन वापसी करेंगे, श्रेयस अनफिट; क्या हार्दिक और बुमराह को फिर मिलेगा आराम?

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम 3 या 4 जनवरी को अनाउंस होनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज इसमें खेलते नजर आएंगे, लेकिन हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका से वनडे नहीं खेल सके कप्तान शुभमन गिल भी वापसी करने वाले हैं। हालांकि, उप कप्तान श्रेयस अय्यर अब भी अनफिट हैं और उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना भी मुश्किल ही लग रहा है।

शुभमन खेलेंगे, श्रेयस की वापसी मुश्किल -कप्तान शुभमन गिल पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे। वे टेस्ट सीरीज में इंजर्ड हो गए थे, लेकिन उन्होंने टी-20 सीरीज में वापसी कर ली थी। ऐसे में वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में वापसी करने के साथ टीम की कमान भी संभालते नजर आएंगे। इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर भी इंजर्ड हो गए थे। उन्हें कंधे में चोट लगी थी, इस कारण वे पिछले 3 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। वे फिलहाल बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अब तक फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, इसलिए वे न्यूजीलैंड सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

कौन होगा बैकअप ओपनर?

शुभमन की वापसी से टॉप-3 पोजिशन फिक्स हो चुकी है। ऐसे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने वाले लेफ्ट हैंडर यशस्वी जायसवाल को बाहर किया जा सकता है। प्लेइंग-11 के कॉम्बिनेशन को देखते हुए उन्हें स्क्वॉड से भी बाहर कर सकते हैं। यशस्वी की जगह विकेटकीपर बैटर ईशान किशन को शामिल किया जा सकता है। जिन्हें घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टी-20 वर्ल्ड कप की टीम में भी जगह मिल गई। ईशान मिडिल ऑर्डर में भी बैटिंग कर लेते हैं और विकेटकीपर केएल राहुल के लिए बेहतरीन बैकअप ऑप्शन साबित हो सकते हैं।

नंबर-4 पर कौन बैटिंग करेगा?

श्रेयस की इंजरी के कारण टीम इंडिया में नंबर-4 की पोजिशन फिक्स नहीं है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड ने इस पोजिशन पर बैटिंग करते हुए एक शतक लगाया था। ऐसे में उन्हें फिर एक बार इस पोजिशन पर मौका दिया जा सकता है।

एशेज- सिडनी टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

12 सदस्यीय टीम में बशीर-पॉट्स को मौका, एटकिंसन चोट की वजह से बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए शुक्रवार को 12 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 से आगे है। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट की टीम से दो बदलाव किए हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है। 22 साल के शोएब बशीर ने 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट ले चुके हैं। बशीर ने टेस्ट करियर में दो बार चार विकेट और चार बार पांच विकेट हॉल भी लिए हैं। मौजूदा एशेज सीरीज में यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर को टीम में जगह दी है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही स्पिन ऑप्शन थे। वहीं 27 साल के मैथ्यू पॉट्स ने जून 2022 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 10 टेस्ट मैचों में 36 विकेट लिए हैं। पॉट्स के नाम भी दो चार विकेट हॉल दर्ज हैं।

ख्वाजा का आखिरी इंटरनेशनल मैच

इस बीच, पांचवें टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा ने भी पुष्टि की है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 साल ख्वाजा ने अपने टेस्ट करियर में 87 मैचों में 6206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं।

अश्विन बोले- कोहली-रोहित के बाद वनडे और कमजोर हो जाएगा

● टी-20 वर्ल्डकप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे पर संकट आ सकता है। क्योंकि, तब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार संन्यास ले लेंगे। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया है। 39 साल के अश्विन ने गुरुवार को कहा- 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर मैं चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन मैंने जैसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना मुश्किल है। विराट-रोहित की विजय हजारे ट्रॉफी में भागीदारी चर्चा में रही है। अश्विन का मानना है कि बढ़ती टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी अलग अहमियत से 50 ओवर के फॉर्मेट के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। आज-कल हर दौरे में वनडे मैचों की संख्या कम हो रही है, जबकि टी-20 मैच ज्यादा खेले जा रहे हैं। उदाहरण के लिए न्यूजीलैंड के भारत दौरे को ही देख लीजिए...इसमें 3 वनडे और 5 टी-20 मैच होने हैं।

उन्होंने कहा-हमें यह समझना होगा कि फैंस क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है,

लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है। इंटरनेशनल क्रिकेट में 765 विकेट लेने वाले अश्विन का कहना है कि विराट और रोहित के संन्यास के बाद वनडे प्रारूप और भी कमजोर हो जाएगा। अगर आप वनडे को रिलेवेंट बनाना चाहते हैं तो ये टी20 लीग खेलिए और 4 साल में सिर्फ एक बार वनडे वर्ल्ड कप कराइए। जब लोग इसे देखने आएंगे तो उनके अंदर उत्साह और उम्मीद होगी। मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट धीरे-धीरे खत्म होने की ओर बढ़ रहा है।

विराट-रोहित के कारण विजय हजारे देखने लगे लोग -रोहित-विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल की रिलेवेंसी के लिए बड़े प्लेयर्स की वापसी की जरूरत होती है। विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है, जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा? धोनी जैसे प्लेयर नहीं, वैसी बैटिंग की जरूरत भी नहीं इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार फॉर्मेट हुआ करता था। इससे एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए। जो पारी को संभालना जानते थे।

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम तोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर

रही थी। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें इसमें रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया। टीम की फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है।

संतोष ट्रॉफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरू होने वाली संतोष ट्रॉफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

रानेश्वर में प्रखंड कार्यालय में कार्य रक्षक दल की हुई बैठक

रानेश्वर (दुमका)(नि. सं.)। रानेश्वर प्रखंड कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को कार्य रक्षक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने की। बैठक में प्रखंड स्तर पर आयोजित किए जाने वाले स्वास्थ्य मेला, बाल बाटिका कार्यक्रम, कला-जार उन्मूलन अभियान सहित विभिन्न स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने निर्देश दिया कि बाल बाटिका कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक के छात्र-छात्राओं की नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। इसके लिए विद्यालयवार रोस्टर तैयार करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया, ताकि सभी बच्चों की समय पर जांच हो सके और किसी भी स्वास्थ्य समस्या की पहचान प्रारंभिक स्तर पर की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि 6 दिसंबर से विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे, जहां बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, वजन, ऊंचाई, आंख, दांत और पोषण से संबंधित परीक्षण किए जाएंगे। इसके साथ ही 6 दिसंबर से 10 दिसंबर तक प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें आम लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं, जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में प्रखंड तकनीकी पर्यवेक्षक ने जानकारी दी कि हाल में चलाए गए कला-जार खोज अभियान के दौरान प्रखंड क्षेत्र में एक भी प्रभावित मरीज नहीं पाया गया है, जो स्वास्थ्य विभाग के लिए एक सकारात्मक उपलब्धि मानी जा रही है। अधिकारियों ने इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए सतत निगरानी और जागरूकता अभियान जारी रखने पर जोर दिया। इस बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, डेटा प्रबंधक सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने अपने-अपने विभाग से संबंधित बिंदुओं पर सुझाव रखे और कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने का आश्वासन दिया।

गांधी मैदान में धूमधाम से मनाया सोहराय पर्व, संताल संस्कृति की झलक

मका (दुमका)(नि. सं.)। शुक्रवार को दुमका के गांधी मैदान में पारंपरिक सोहराय पर्व का भव्य आयोजन किया गया। मंडलीय अध्यक्ष भीम प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में संताल समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपनी समृद्ध संस्कृति व परंपराओं का प्रदर्शन किया। सोहराय पर्व के अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नायकी बाबा ने संताल समाज की परंपरा के अनुसार देवी-देवताओं को विधिवत चढ़ावा अर्पित किया और समाज के लोगों के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें संताली नृत्य ने लोगों का मन मोह लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं और युवतियों ने मांदर की थाप पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। ढोल, मांदर और पारंपरिक गीतों की गूंज से पूरा गांधी मैदान उत्साह और आनंद के रंग में रंग गया। नृत्य के दौरान दर्शकों ने भी तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को सोहराय पर्व की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे व सामाजिक एकता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि सोहराय पर्व संताल समाज की आस्था, प्रकृति प्रेम और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी सहेज कर रखना जरूरी है। आयोजन के माध्यम से संताल समुदाय की परंपराओं, लोक कला और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया गया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम में लोग पूरे उत्साह के साथ शामिल रहे और पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

नव वर्ष पर महागामा का प्राचीन दुर्गा मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शुक्रवारमहागामा (गोड्डा) (नि. सं.)। अनुमंडल क्षेत्र स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर इन दिनों एक बार फिर लोक आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। करीब 600 वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां सच्चे मन से जो भी मन्नत मांगी जाती है, वह अवश्य पूरी होती है। इसी अटूट विश्वास के कारण इस मंदिर की गाथाएं और कथाएं क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि दूर-दराज तक चर्चा का विषय बनी हुई हैं।स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना प्राचीन काल में हुई थी और तब से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बना हुआ है। कहा जाता है कि मां दुर्गा स्वयं यहां विराजमान हैं और अपने भक्तों की पुकार तुरंत सुनती हैं। कई श्रद्धालुओं का दावा है कि संतान सुख, रोग मुक्ति, रोजगार और पारिवारिक सुख-शांति की कामना लेकर आने वालों की मुरादें यहां पूरी हुई हैं, जिसके बाद लोग प्रसाद चढ़ाकर और पूजा-अर्चना कर मां का आभार जताते हैं।नए साल के अवसर पर इस प्राचीन मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। अहले सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। मां दुर्गा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे—सभी ने नए वर्ष की शुरुआत मां के चरणों में शीश नवाकर की और सुख-समृद्धि की कामना की।भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा विशेष इंतजाम किए गए थे साफ-सफाई, दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर स्वयंसेवकों की तैनाती की गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कई भक्तों ने सामूहिक पूजा, हवन और दीप प्रज्वलन भी किया।कुल मिलाकर, महागामा का यह 600 साल पुराना दुर्गा मंदिर आज भी लोक आस्था का जीवंत केंद्र बना हुआ है। नए साल पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने यह साबित कर दिया कि समय बदल सकता है, लेकिन मां दुर्गा पर लोगों की श्रद्धा और विश्वास आज भी उतना ही अटूट और मजबूत है।

यूथ कांग्रेस के जिला सोशल मीडिया प्रभारी का केक काटकर मनाया गया जन्मदिन

मेहरमा (गोड्डा) (नि. सं.)। : यूथ कांग्रेस के जिला सोशल मीडिया प्रभारी एहसान अंसारी का जन्मदिन मेहरमा स्थित कांग्रेस कार्यालय में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान यूथ कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने एहसान अंसारी के संगठनात्मक योगदान की सराहना की। वहीं ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यकर्ताओं ने कहा कि एहसान अंसारी सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस मौके यूथ कांग्रेस मेहरमा प्रखंड सचिव सनाउल खान, ठाकुरगंगटी प्रखंड सचिव जफर आलम, कुंदन पासवान, मो0 अजमल, मो0 आसीफ सहित यूथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 की दुमका में शुरुआत
उपायुक्त ने जागरुकता रथ को दिखाया हरी झंडी

- उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

निज संवाददाता | दुमका

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दुमका जिले में सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों की औपचारिक शुरुआत की गई। समाहरणालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि लोग यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

उपायुक्त ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 की थीम "सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन" रखी गई है। साथ ही जनवरी माह को "Zero Fatality Month" के रूप में मनाने का लक्ष्य तय किया गया है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को शून्य के करीब लाया जा सके। उन्होंने कहा कि पूरे जनवरी माह के दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता और प्रवर्तन से जुड़े कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में प्रभात फेरी, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष जांच, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग पर जोर, गुड सेमेरिटन योजना का प्रचार, स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा कार्यशालाएं तथा परिवहन कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर शामिल हैं। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि यातायात पुलिस, परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर इन कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग सड़क सुरक्षा के प्रति सजग हो सकें।

कार्यक्रम के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि 3 जनवरी को बस स्टैंड परिसर में बस चालकों, कंडक्टरों और अन्य परिवहन कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच के साथ-साथ सुरक्षित ड्राइविंग को लेकर उन्हें जागरूक किया जा सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य समेत कई अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया।

महागामा में शहरी रोशनी की नई पहल शुरू
मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने किया शिलान्यास

निज संवाददाता | गोड्डा

नगर पंचायत क्षेत्र में शहरी बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। वहीं पूजा अर्चना कर विधिवत शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों में हाई मास्ट, मिनी हाई मास्ट, सोलर स्ट्रीट लाइट एवं स्ट्रीट लाइट के अधिष्ठापन कार्य का शिलान्यास शुक्रवार को किया गया। इस महत्वाकांक्षी योजना पर कुल 2 करोड़ 19 लाख 76 हजार 289 रुपये की राशि व्यय की जाएगी।शिलान्यास कार्यक्रम में महागामा विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास सह पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि शहर की बेहतर रोशनी न सिर्फ सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि आमजन के जीवन को भी सुगम बनाएगी। मंत्री ने कहा कि नगर क्षेत्र के हर वार्ड में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था से रात्रि में आवागमन आसान होगा और असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्मार्ट सुविधाओं से युक्त बनाना है।

स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे नगर पंचायत के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। इस कार्यक्रम के मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी आलोक वरण केसरी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद प्रसाद अग्रवाल, अंचलाधिकारी डॉ खगेन महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनाराम हंसदा, थाना प्रभारी मनोज पाल, जिला अध्यक्ष याहया सिद्दीकी, कांग्रेस नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज दास, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मिहिनाज आलम सहित अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मतदाता सूची सुधार को लेकर सख्ती, 88 बूथों पर 1107 फोटो त्रुटियां चिन्हित

- सभी त्रुटियों के शीघ्र सुधार के लिए बीएलओ को प्रपत्र-8 के माध्यम से कार्रवाई का निर्देश।
- कार्य में लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी।

निज संवाददाता | रानीश्वर (दुमका)

सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रखण्ड सभागार में प्रखण्ड अंतर्गत सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान मतदाता सूची में पाए गए ब्लैक एंड व्हाइट फोटो, अस्पष्ट फोटो तथा नाम संबंधी त्रुटियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान ही सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से रिपोर्ट तैयार करवाई गई, जिसके अनुसार 88 मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची में कुल 1107 ब्लैक एंड व्हाइट, अस्पष्ट फोटो तथा 198 नाम संबंधी त्रुटियां पाई गईं। इन सभी त्रुटियों के शीघ्र सुधार हेतु बीएलओ को प्रपत्र–8 के माध्यम से कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा एसआईआर मैपिंग के तहत जिन मतदाताओं का मैपिंग नहीं हो पाया है, उनकी सूची के साथ-साथ अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची तैयार कर एक सप्ताह के भीतर कार्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को एसआईआर मैपिंग शुद्ध और जिम्मेदारीपूर्वक करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उक्त समीक्षा बैठक में एलआरडीसी अब्दुस समद, प्रभारी प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी रानीश्वर, सभी बीएलओ सुपरवाइजर, सभी बीएलओ एवं निर्वाचन कम्प्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

16 टीमों की टक्कर, 30 हजार का इनाम और संथाली नाईट जतरा से सजेगा फाइनल

- उद्घाटन मैच एफसी बुरू टोला और एमएसए किस्कू स्टार के बीच खेला गया।

निज संवाददाता | गोपीकांदर(दुमका)

गोपीकांदर प्रखंड के मुसना गांव में नव युवक ज्योति क्लब मुसना की ओर से दो दिवसीय भव्य फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस रोमांचक टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लेकर खेल प्रेमियों का उत्साह दोगुना कर दिया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुसना पंचायत की मुखिया संगीता मुर्मू, उपमुखिया सुभाष टेन बास्की, सुरेश मरांडी एवं अनिल हेंब्रम ने संयुक्त रूप से फुटबॉल को किक मारकर किया। उद्घाटन मैच एफसी बुरू टोला और एमएसए किस्कू स्टार के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

टूर्नामेंट में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 30,000, उपविजेता को 20,000 जबकि तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को 7,000-7,000 नकद राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के फाइनल दिन खेल प्रेमियों के मनोरंजन के लिए "छो आने मी दुलड़" संथाली नाईट जतरा का भी भव्य आयोजन किया गया है। इस आयोजन को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष सेत सोरेन, सचिव स्टेफान हेंब्रम, उपाध्यक्ष थोमस सोरेन, कोषाध्यक्ष सेवन भंडारी सहित चुंडा बास्की, चालेस हेंब्रम, एमानुएल मुर्मू, प्रदीप मुर्मू, स्माईल किस्कू, लखन मरांडी, सुरेश मरांडी और अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। मौके पर हजारों की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए एसआई हेमंत भगत को पुलिस केंद्र दुमका में दी गई शोक सलामी

निज संवाददाता | दुमका

झारखंड के दुमका स्थित पुलिस केंद्र में जिला बल के दिवंगत पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत को पूरे सम्मान के साथ शोक सलामी दी गई। नम आंखों और गमगीन माहौल के बीच पुलिस अधिकारियों और जवानों ने अपने कर्तव्यनिष्ठ साथी को अंतिम विदाई दी। पुलिस केंद्र परिसर में आयोजित शोक परेड के दौरान दिवंगत एसआई हेमंत भगत के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर दुमका के पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खरवार, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पुलिस केंद्र के परिचारी प्रवर सहित पुलिस एसोसिएशन, पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत अधिकारी के पार्थिव शरीर को सलामी दी और उनके अदम्य साहस एवं कर्तव्यपरायणता को नमन किया।

बताया गया कि बुधवार की शाम शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के नलहची पुल के समीप गिट्टी लदे दो ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हो गई थी, जिससे दोनों वाहन पलट गए। इस दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना की सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना में पदस्थापित जिला बल के एसआई हेमंत भगत पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। एसआई हेमंत भगत ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों के मलबे में फंसे सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद भी उन्होंने राहत कार्य जारी रखा और पुनः घटनास्थल पर लौटकर सड़क जाम हटवाने में जुट गए।

इसी दौरान दुमका की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि एसआई हेमंत भगत की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत एसआई हेमंत भगत लोहरदगा जिले के निवासी थे। कर्तव्य निभाते हुए उनके शहीद हो जाने से दुमका जिला बल सहित पूरा पुलिस परिवार गहरे सदमे में है। सहकर्मियों ने उन्हें एक साहसी, कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील पुलिस अधिकारी के रूप में याद करते हुए कहा कि उनका बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

राज्यपाल ने किया बाबा का दर्शन शांति और जनकल्याण की कामना

निज संवाददाता | दुमका

बासुकीनाथ धाम में शुक्रवार को राज्यपाल संतोष गंगवार का आगमन हुआ। धाम पहुंचने पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा सहित जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उपायुक्त ने पुष्प गुच्छ भेंट कर राज्यपाल का अभिनंदन किया। राज्यपाल ने बासुकीनाथ मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से राज्य में सुख-समृद्धि, अमन-चैन और आम लोगों के कल्याण की कामना की। पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा का वातावरण बना रहा। पूजा के उपरांत उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने राज्यपाल को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

राज्यपाल के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल के धाम आगमन से श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया।

छह जनवरी से लगेगा स्वास्थ्य मेला स्कूली बच्चों की होगी नियमित जांच

निज संवाददाता | रानीश्वर (दुमका)

स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनमानस तक पहुँचाने और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय कक्ष, रानीश्वर में प्रखंड स्तरीय कार्यबल दल की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आगामी स्वास्थ्य योजनाओं और अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सिविल सर्जन दुमका के निर्देशों के आलोक में आगामी 06 जनवरी 2026 से 10 जनवरी 2026 तक प्रखंड परिसर में भव्य प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जाएगा। बीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेले की तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इसका लाभ उठा सकें। बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि बाल वाटिका से लेकर कक्षा 08 तक के सभी छात्र-छात्राओं की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को एक विशेष रोस्टर बनाने का निर्देश दिया गया है। विद्यालयों में यह जांच अभियान 06 जनवरी 2026 से प्रभावी रूप से शुरू हो जाएगा।

बैठक के दौरान प्रखंड तकनीकी पर्यवेक्षक ने जानकारी दी कि 05 दिसंबर से 20 दिसंबर 2025 तक चलाए गए कालाजार खोज अभियान के दौरान प्रखंड में कोई भी व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित नहीं पाया गया है। यह क्षेत्र के लिए एक राहत भरी खबर है। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, प्रखंड समन्वयक , प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड डाटा प्रबंधक और मलेरिया तकनीकी पर्यवेक्षक सहित कई अन्य स्वास्थ्य कर्मी और अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकृति व भाई-बहन के प्रेम का प्रतिक का पर्व है सोहराय

निज संवाददाता | गोड्डा

आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व सोहराय सह बंधना नौ जनवरी से जिला मुख्यालय सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हो रहा है। इसको लेकर आदिवासी बहुल गांवों में तैयारी जारी है। ग्रामीणों द्वारा घर के आसपास क्षेत्र सहित गोड-टांडी ,गोशाला सहित पूजा स्थल सहित घर व आसपास की सफाई का कार्य जोरों पर है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पथरगामा प्रखंड के बरमसिया गांव निवासी चुनका मुर्मू ने बताया कि सोहराय प्रतिवर्ष नौ जनवरी से शुरू हो जाता है। यह पर्व भाई- बहन के प्रेम का प्रतीक है।

यह पर्व प्रकृति से जुड़ा हुआ है। भाई अपनी बहन को खासकर इस पर्व में शामिल होने के लिए ससुराल से बिदागरी कराकर लाते हैं और यथोचित सामग्री भी भेंट करते हैं। यह पर्व सात दिनों तक चलता है। पहले दिन को नहाय-खाय के रूप में मनाते हैं। सभी लोग स्नान करने के बाद गोड़-टांडी जाकर अपने देवी- देवता व गुरु का विधिवत पूजन करते हैं। अपनी परंपरा के अनुसार नया अनाज की बनी सामग्री अर्पित करते हैं और मुर्गा की बली भी देते हैं । समाज के लोग आदर सहित प्रसाद ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन को झील दाका के रूप में मनाया जाता है। इसमें लोग पूरे परिवार के साथ पूजन करने के साथ स्वादिष्ट व्यंजन, मांस -मछली खाते है और आनंद मनाते हैं। तीसरे दिन खुटाउं-बंधाउ के रूप में मनाया जाता है। इसमें बैल व बांधने वाला खूंटा का पूजन होता है। बैल के गले में चावल की रोटी का माला पहनाते हैं। गांव के सभी मांजर की थाप पर गांव के पुरुष और महिला की टीम अलग-अलग नाचते-गाते हैं, स्वादिष्ट व्यंजन खाते हैं और मौज मनाते हैं। चौथे दिन को जाली के रूप में मनाते हैं। इस दिन गांव के लोग एक-दूसरे के घर जाकर प्रमाण करते हैं और बड़े-बुढ़ों का आशीर्वाद लेते हैं। फिर मिलजुल खाना खाते हैं और मांदर की थाप पर जकर नाचते- गाते खुशियां मनाते हैं।

राजेंद्र स्टेडियम में सोहराय महोत्सव का आयोजन

गोड्डा (नि. सं.)। नव वर्ष के अवसर पर गोपनीय शाखा कार्यालय से उपायुक्त अंजली यादव के द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत सड़क सुरक्षा को लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रथ को रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताएगा। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल से सड़क सुरक्षा में सुधार संभव है। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता रथ को सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रथ को रवाना किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा नशे की हालत में वाहन न चलाएं।